राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

8

वर्ष 12 अंक :256 रांची (झारखंड) शनिवार ,28 जून 2025 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

बिहार में नौ रैलियां कर सकते हैं पीएम मोदी, 200 सीटों पर होगा सीधा असर

नई दिल्ली,।

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए में तैयारियां तेज हो चुकी हैं। अगले ढाई महीनों के लिए भाजपा ने भी बिहार में बड़े अभियान की योजना बनाई है। खास बात यह है कि इस पूरे अभियान को बीजेपी के स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लीड करने वाले हैं। बिहार भाजपा के एक नेता के अनुसार पीएम मोदी अभी तक बिहार में छह रैलियों को संबोधित कर चुके हैं। आने वाले दिनों में उनके कई और कार्यक्रम बिहार के अलग-अलग जिलों में होने हैं। भाजपा नेताओं के मुताबिक आने वाले दिनों में पीएम मोदी के कई और कार्यक्रम बिहार में होने हैं। इसके अलावा केंद्रीय

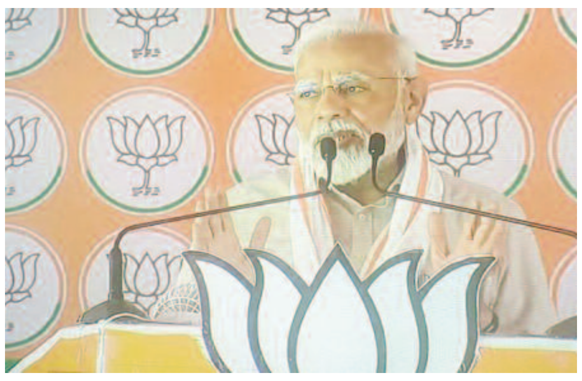

गृहमंत्री अमित शाह भी बिहार में लगातार दौरा करने वाले है। बिहार में पीएम मोदी की कुल नौ रैलियां करने की योजना तैयार की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा नेताओं ने बताया कि इन रैलियों का प्रभाव 200 विधानसभा सीटों पर होगा। इसमें से रोहतास और सारण क्षेत्र में दो रैलियां पीएम मोदी पहले ही संबोधित कर चुके हैं। बाकी बची हुई सात रैलियों को अगले ढाई महीने में संबोधित करने वाले है। इन रैलियों की तारीख और जगह को लेकर पार्टी में फिलहाल चर्चा चल रही है। जानकारी के मुताबिक अगले करीब एक हफ्ते में इसके बारे में ऐलान होगा। बिहार चुनाव को लेकर पीएम मोदी का अभियान सितंबर में खत्म होगा। यही वह समय है, जब यहां पर चुनाव का ऐलान होगा। जानकारी के मुताबिक इस अभियान का मकसद प्रदेश में भाजपा कार्यकताओं में जोश फूंकना है। फिलहाल भाजपा कार्यकर्ता बिहार में डोर-टू-डोर संपर्क कर रहे हैं। इसका मकसद नए वोटर्स की पहचान और उनके रजिस्ट्रेशन में मदद करना है। पीएम मोदी के अभियान के साथ-साथ केंद्रीय गृहमंत्री शाह भी बिहार आ सकते हैं। अनुमान है कि अमित शाह यहां पर तीन या चार रैलियां कर सकते हैं।

राजनाथ सिंह ने चीनी रक्षामंत्री को बिहार की मधुबनी पेंटिंग भेंट की

जिंग ।

भारत और चीन के बीच शुक्रवार को एससीओ समिट की साइडलाइन में रक्षा मंत्रियों की द्विपक्षीय बैठक हुई। इसमें भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीनी रक्षामंत्री एडमिरल डोंग जुन शामिल हुए। इस दौरान सिंह ने चीनी रक्षा मंत्री को बिहार की मधुबनी पेंटिंग भेंट की। बैठक में राजनाथ सिंह ने चीन के साथ कूटनीतिक संबंधों को बेहतर करने के लिए एडमिरल डोंग जुन को 4 पॉइंट वाला प्लान पेश किया है। रक्षा मंत्री सिंह ने दोनों देशों के बीच अच्छे पड़ोसी संबंध बनाने

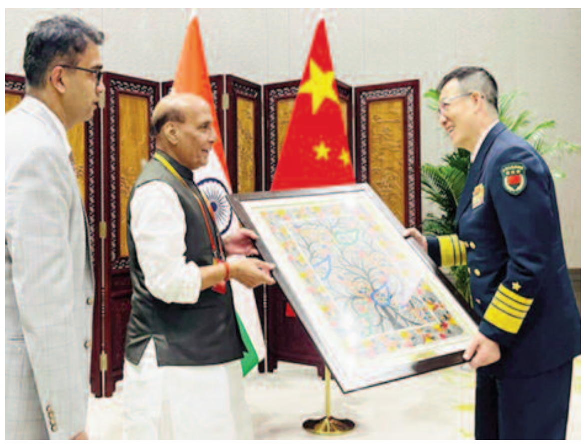

और एशिया में स्थिरता के लिए मिलकर काम करने की जरूरत जाहिर की। उन्होंने कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने की भी तारीफ की। इसके साथ ही उन्होंने चीनी रक्षा मंत्री को हाल ही में हुए आतंकवादी हमले और पाकिस्तान में भारत की कार्रवाई की पूरी जानकारी भी दी। राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद के मुद्दे पर ऑपरेशन सिंदूर भारत का स्टैंड है। इससे पहले गुरुवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक हुई थे। इसमें भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ, दोनों शामिल हुए थे। हालांकि, राजनाथ सिंह ने पाकिस्तानी रक्षा मंत्री से मुलाकात नहीं की।

एक नजर

अहमदाबाद प्लेन हादसा: जांच में मदद करना चाहता था यूएन, भारत ने नहीं दी इजाजत

अहमदाबाद,।

बीते 12 जून को अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान हादसे की वजह अभी तक सामने नहीं आई है। हादसे को लेकर संयुक्त राष्ट्र ने भारत को प्लेन क्रैश की जांच में मदद की पेशकश की थी, हालांकि भारत ने इसकी इजाजत नहीं दी। सूत्रों ने बताया है कि भारत इस मामले की जांच में संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों को शामिल होने की अनुमति नहीं देगा। जानकारी के मुताबिक इस सप्ताह की शुरूआत में संयुक्त राष्ट्र की विमानन एजेंसी ने भारत को जांच में मदद की पेशकश की थी, जिसे भारत ने ठुकरा दिया है। सूत्रों ने बताया कि एजेंसी ने भारत में मौजूद अधिकारियों को ऑब्जर्वर का भूमिका देने के लिए कहा था, लेकिन भारतीय अधिकारियों ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया।भारत की तरफ से इंडिया सिविल एविएशन ऑथोरिटी (एएआईबी) ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। इससे पहले इंटरनेशनल सिविल एविएशन एजेंसी ने 2014 में दुर्घटनाग्रस्त हुए मलेशिया के एक विमान और 2020 में यूक्रेन के जेटलाइनर सहित कुछ मामलों की जांच में मदद करने के लिए अपने कर्मचारियों को तैनात किया है। हालांकि इन मामलों में एजेंसी से खुद संपर्क किया गया था।बता दें कि 12 जून को अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे की वजह अब तक सामने नहीं आई है। यहां 242 लोगों को ले कर उड़ान भरने वाला एयर इंडिया का बोइंग ड्रीमलाइनर विमान टेक ऑफ करने के कुछ मिनटों के भीतर ही संतुलन खो बैठा और एक रिहायशी इलाके के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। हादसे में विमान में सवार 241 लोगों समेत कुल 270 लोगों की मौत हो गई। इस भयावह विमान हादसे की जांच जारी है। ब्लैक बॉक्स से रिकवर हो रहा डेटा इस बीच सरकार ने बताया है कि 12 जून को अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया के विमान के ब्लैक बॉक्स से डेटा निकाला जा रहा है और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर तथा फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर का विश्लेषण किया जा रहा है। सरकार ने इस दुर्घटना के करीब 15 दिन बाद जांच को लेकर जानकारी दी है। वहीं केंद्रीय गृह सचिव की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बहु-विषयक समिति अहमदाबाद में विमान दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। समिति भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए व्यापक दिशा निर्देशों का भी सुझाव देगी।

मुठभेड़ में एक आतंकी को किया ढेर, तीन छिपे आतंकियों की तलाश जारी

उधमपुर,।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के जंगली इलाके में शुक्रवार को पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार को सुरक्षा बलों से हुई मुठभेड़ में जैश का एक आतंकवादी मारा गया था और उसके तीन साथी बसंतगढ़ बेल्ट के जंगली इलाके में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि ड्रोन और खोजी कुत्तों की मदद से शुक्रवार सुबह अभियान फिर से शुरू किया गया और शेष आतंकवादियों को खत्म करने के लिए घेराबंदी को मजबूत किया गया है। उन्होंने कहा कि चारों आतंकवादियों पर एक साल से नजर रखी जा रही थी। अधिकारियों ने कहा कि गुरुवार सुबह बसंतगढ़ के सुदूर बिहाली इलाके में सेना और पुलिस के संयुक्त तलाशी दल से उनका

सामना हो गया। उन्होंने कहा कि चारों आतंकवादी करूर नाला के पास छिपे थे और सेना के पैरा कमांडो के नेतृत्व में संयुक्त तलाशी दल ने उन्हें घेर लिया, जिसके बाद मुठभेड़ हुई। अधिकारियों ने कहा कि मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादियों में से एक की पहचान हैदर के रूप में हुई है, जिसका छद्म नाम मौलवी था और वह पाकिस्तान का रहने वाला था। उन्होंने बताया कि ओवर ग्राउंड वर्कर्स की मदद से वे जंगलों और प्राकृतिक गुफाओं का इस्तेमाल कर छिपने के लिए एक से दूसरे इलाके में जा रहे थे। पिछले कई महीनों में इस क्षेत्र में आतंकवादियों को भोजन और आश्रय प्रदान करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

चुनाव आयोग की स्ट्राइक,345 राजनीतिक दलों की मान्यता पर संकट

6 साल से कोई भी उम्मीदवार चुनाव नहीं लड़ा

नई दिल्ली,

भारत के निर्वाचन आयोग ने 345 पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त दलों की मान्यता समाप्त कर उन्हें सूची से बाहर करने की तैयारी है। जिन दलों की मान्यता समाप्त करने की तैयारी है। उन्होंने पिछले 6 वर्षों से कभी भी अपने उम्मीदवार खड़े नहीं किये। जिसके कारण निर्वाचन आयोग ने यह कार्रवाई की है। 2022 में केंद्रीय चुनाव आयोग ने 196 दलों का पंजीयन निरस्त किया था। 345 और राजनीतिक दलों की मान्यता समाप्त करने के बाद, केंद्रीय निर्वाचन आयोग की सूची में 2482 गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल पंजीकृत हैं। जिन राजनीतिक दलों ने नियमों का पालन नहीं किया है। उन्हें चुनाव आयोग ने नोटिस जारी किए हैं। पंजीकृत राजनीतिक दलों को आयकर में छूट देने का प्रावधान है। टैक्स छूट का लाभ उठाकर कई राजनीतिक दल मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अपराध को अंजाम देते हैं। जांच में इसतरह के कई मामलों का खुलासा हुआ है। देश में राष्ट्रीय /राज्य /गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों का पंजीकरण, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29 ए के तहत होता है। इस प्रावधान के तहत एक बार पंजीकृत हो जाने पर राजनीतिक दल को कर में छूट सहित अन्य कई सुविधाएं प्राप्त होती हैं। आयोग के अनुसार, यह अभियान राजनीतिक व्यवस्था को पारदर्शी एवं स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से आगे भी जारी रहेगा।

धर्मशाला में नहीं थम रही बारिश, 5 मजदूरों के शव मिले 3 की तलाश जारी

धर्मशाला,।

हिमाचल के कांगड़ा जिले के मनूणी खड्डु में आए फ्लैश फ्लड में हाईड्रो प्रोजेक्ट के आठ मजदूर बह गए थे। 25 जून को हुए हादसे को लेकर दो दिन से चल रहे एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के सर्च ऑपरेशन में अब तक पांच मजदूरों की लाशें बरामद कर ली गई हैं। अब भी तीन लोगों की तलाश जारी है। गुरुवार को खड्डु से तीन और शव बरामद किए गए। इससे पहले, बुधवार को दो शव मिले थे। अब शवों की पहचान भी हो गई है। अब शुक्रवार को सर्च ऑपरेशन शुरू हुआ है। चिंता की बात ये है कि यहां मौसम विभाग ने बारिश का अलर्ट जारी किया है और फिलहाल बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है। जानकारी के अनुसार, गुरुवार को पूरा दिन बीच-बीच में बारिश खलल डालती रही। उधर, 4 शवों की पहचान कर दी गई है। इनमें चैन सिंह (20) पुत्र मुल्क राज निवासी गांव कुमाड़ी भल्ला डोडा, जम्मू-कश्मीर और आदित्य ठाकुर पुत्र शिव कुमार निवासी गांव राख चंबा हिमाचल शामिल है। एक मजदूर के शव की अभी पहचान नहीं हो पाई। एएसपी कांगड़ा शालिनी अग्निहोत्री ने बताया कि इस घटना में चंदन पुत्र प्रदीप निवासी सोहनपुर, उत्तर प्रदेश और प्रदीप वर्मा पुत्र रामकांत वर्मा, निवासी सोहनपुर देवरिया, उत्तर प्रदेश का शव भी बरामद कर लिया गया है। चंबा निवासी लवली को जंगल रे रेस्क्यू कर बचा लिया गया है। खनियारा में आई बाढ़ को लेकर एडीएम शिल्पी वेक्टा ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है और बाकी लापता लोगों की तलाश में टीमें मौके पर डटी हुई हैं। उन्होंने बताया, 27-28 जून को फिर से भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। इसे देखते हुए उन्होंने टूरिस्ट और स्थानीय लोगों को नदी नालों के आसपास नहीं जाने की सलाह दी है। वहीं इस हादसे में जान बचाकर मौके से भागे युवक लवली ने बताया कि वो रात भर जंगल में रहे और बेहद ही डरे और सहमे हुए थे मगर स्थानीय प्रशासन ने उनके पास पहुंचकर उन्हें नया जीवन दिया है, उन्होंने घटना का आंखों देखा हाल भी बयान किया। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रदेश में मानसून के दौरान मौसम की विपरीत परिस्थितियों के दृष्टिगत सभी उपायुक्तों को सतर्क रहने और आमजन के लिए चौबीस घंटे उपलब्ध रहने के निर्देश दिए हैं ताकि किसी भी स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। उन्होंने गुरुवार को शिमला से वर्चुअल माध्यम से प्रदेश में मौसम की स्थिति की समीक्षा करते हुए सभी उपायुक्तों से आपदा प्रभावित लोगों के लिए राहत एवं पुनर्वास कार्य युद्धस्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए।

नदी नालों के पास ना जाएं लोग: सीएम

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को नदी-नालों के निकट रह रहे लोगों विशेकर प्रवासी मजदूरों की पहचान करने और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाकर पुनर्वास करने को कहा। उन्होंने उपायुक्तों को पर्यटकों और स्थानीय लोगों को बारिश के मौसम में नदी-नालों के समीप नहीं जाने को लेकर एडवायजरी जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को प्रदेश में किसी भी प्रकार की क्षति की सूचना सरकार को शीघ्र उपलब्ध करवाने को कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर वर्ष मॉनसून के कराण जल विद्युत परियोजनाओं को बार-बार नुकसान उठाना पड़ता है। इनकी सुरक्षा के लिए एक समग्र रणनीति बनाई जाए, जिससे इन परियोजनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि 25 जून को हिमाचल प्रदेश में तीन स्थानों पर बादल फटने, बाढ़ की नौ और भू-स्खलन की तीन घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें पांच लोगों की मृत्यु होने और एक व्यक्ति के घायल होने की पुष्टि की गई है।

भारत के तकनीकी प्रतिभाशाली मीधान्श को ब्रिटेन की ब्रिटिश संसद में सम्मानित किया गया

नई दिल्ली, ।

भारत के जालंधर युवा तकनीकी प्रतिभाशाली मीधान्श कुमार गुप्ता को कल ब्रिटिश संसद, यूनाइटेड किंगडम के हाउस ऑफ कॉमन्स में आयोजित प्रतिष्ठित ग्लोबल चाइल्ड प्रोडिजी अवाड्र्स (GCPA) 2025 में वैश्विक मान्यता मिली है। GCPA 15 वर्ष से कम आयु के असाधारण प्रतिभाओं का सम्मान करने वाले दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित मंचों में से एक है। उन्होंने संसद सदस्य, ओर्पिंगटन निर्वाचन क्षेत्र, श्री गैरेथ बेकन की टॉप 100 चाइल्ड प्रोडिजीज 2025 की पुस्तक लॉन्च किया व पुरे विश्व से आये सभी चाइल्ड प्रोडिगिस को अवार्ड देकर सम्मानित किया। मीधान्श 130 देशों के हजारों नामांकनों में से चुने गए 100 असाधारण युवा उपलब्धि प्राप्तकताओं में से एक हैं, जिन्हें शिक्षा और प्रौद्योगिकी में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। वे पंजाब राज्य से बाल प्रतिभा के रूप में चुने गए एकमात्र बच्चे हैं। उनकी यात्रा कोविड-19 महामारी के दौरान, सिर्फ. नौ साल की उम्र में शुरू हुई थी। तब से, मीधान्श एक बहु-पुरस्कार विजेता तकनीकी नवप्रवर्तक बन गए हैं, जो अपने कौशल का उपयोग सामाजिक कल्याण के लिए करते हैं। उनके पुरस्कारों में राष्ट्रीय और विश्व रिकॉर्ड शामिल हैं - विशेष रूप से 2020 में सबसे कम उम्र के वेबसाइट डेवलपर के रूप में पहचाना जाता है। ज्ञान साझा करने के जुनूनी मीधान्श ने एनजीओ मिशन आत्मनिर्भर के तहत हजारों हमउम्र बच्चो को प्रशिक्षित भी किया है। सीखने की भूख को प्रदर्शित करते हुए, उन्होंने लिंक्डइन लर्निंग के माध्यम से केवल एक सप्ताह में 50 अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम पूरे किए - एक ऐसी उपलब्धि जिसने उन्हें विश्व रिकॉर्ड दिलाया। अपने इस विश्वास के अनुरूप कि सीखना समाज को वापस दिया जाना चाहिए, मीधान्श ने प्रभावशाली नवाचारों का नेतृत्व किया है। उदहारण के तौर पर उन्होंने नौ साल की उम्र में, उन्होंने COVID-19 प्रयासों में सहायता के लिए एक टेलीमेडिसिन पोर्टल विकसित किया, और हाल ही में, IIT मद्रास से ब्लॉकचेन कोर्स पूरा करने के बाद, उन्होंने चुनावों में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए दुनिया की पहली ब्लॉकचेन-आधारित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) बनाई। 2022 में, मीधान्श को बच्चों के लिए भारत का सर्वोच्च बाल नागरिक सम्मान, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार भी मिला, जिसे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने प्रदान किया। अपने सन्देश में, पीएम मोदी ने मीधान्श की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि मीधान्श जैसे युवा दिमागों के माध्यम से एक स्वतंत्र और आत्मनिर्भर भारत की कल्पना एक वास्तविकता बन रही है। ग्लोबल चाइल्ड प्रोडिजी अवाड्र्स संगीत, कला, विज्ञान, नवाचार, शिक्षा, खेल और सामाजिक प्रभाव सहित विभिन्न विषयों में युवा प्रतिभाओं को पहचानने की दुनिया की पहली पहल है। मान्यता से परे, यह मंच प्रतिभाओं को उनके क्षमता को और विकसित करने के लिए सलाहकारों, वैश्विक नेताओं और संस्थानों से जोड़ता है। GCPA 2025 में मीधान्श की मान्यता युवा परिवर्तनकताओं के एक प्रतिष्ठित वैश्विक समुदाय के बीच उनकी जगह को मजबूत करती है और असाधारण युवा प्रतिभाओं के केंद्र के रूप में भारत के उभरने को दशार्ती है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के द्वारा प्रस्तावित परिसीमन बचाओ महारैली को सफलता बनाने के लिए हसपुरा प्रखंड में कार्यकताओं का बैठक

रिपोर्ट - निशांत कुमार

हसपुरा (औरंगाबाद) :- 29 जून दिन रविवार को गया जी के गांधी मैदान में राष्ट्रीय लोक मोर्चा के द्वारा प्रस्तावित परिसीमन बचाओ महारैली को सफलता बनाने के लिए हसपुरा प्रखंड के कार्यकताओं ने गांव में घूम घूम कर गया गांधी मैदान में चलने के लिए लोगों से आग्रह किया।कार्यकताओं के कहा कि महारैली का उद्घाटन राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह राजसभा सांसद आदरणीय उपेंद्र कुशवाहा करेंगे रैली में पार्टी के तमाम राष्ट्रीय एवं बिहार प्रदेश के नेता उपस्थित रहेंगे। 2026 में पूरे देश में परिसीमन सुधार होना है इसके लिए हमारे नेता आदरणीय उपेंद्र कुशवाहा जी बिहार में भी लोकसभा विधानसभा की सीट बढ़े इसके लिए महारैली के माध्यम से पूरे बिहारवासियों को जागरुक करते हुए अपने हक के बारे में समझाने का काम करेंगे। पार्टी के कार्यकताओं ने प्रखंड के धूसरी ,अल्पा, महुआड़, धमनी, मलहरा, डिंडीर, डुमरा, रतनपुर, अमझरशरीफ, झिंगुरी इत्यादि गांवों में घूम कर रैली को सफल बनाने का आग्रह किया। साथ में प्रदेश महासचिव विनोद कुमार सिन्हा, प्रखंड अध्यक्ष श्रीकांत कुमार वर्मा, मुखिया सत्येंद्र पासवान, रामबली सिंह, बिजेंद्र सिंह ,संतोष शर्मा, उदय मेहता, राकेश कुमार, राजू कुमार वर्मा, राजेश कुमार, अखिलेश सिंह ,वेंकटेश शर्मा, शत्रुघ्न प्रसाद सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। लोगों के बीच रैली में चलने के लिए बहुत ही उत्साह देखा जा रहा है।

बारहमासी सड़क के लिए तरस रहे मंझार गांव के लोग

आवागमन में हो रही हैं परेशानी का सामना

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के अम्बा प्रखंड में गांव के विकास के लिए सरकार द्वारा करोड़ों रुपये खर्च किये जा रहे हैं. इसके बावजूद कई गांवों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव दिखता है. यहां तक दर्जनों गांव आज भी पक्की सड़क से वंचित है, जिससे बरसात में आवागमन करने में लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है. कुटुंबा प्रखंड मंझार गांव के लोग आज भी बारहमासी सड़क के लिए तरस रहे हैं. उक्त गांव मटपा पंचायत के वार्ड नंबर एक में पड़ता है, तकरीबन 40 घरों की आबादी है. उक्त गांव की सड़क मटपा व दधपा पंचायत के बॉर्डर में पड़ती है. गांव के प्रसिद्ध राम, राम लखन मेहता, लक्ष्मण मेहता, मिथिलेश मेहता, बैकुंठ राम, रंजय मेहता, कुंदन मेहता, धर्मेंद्र मेहता, सनी मेहता, ओम प्रकाश कुमार, उमाशंकर राम, नवल मेहता आदि ने बताया कि सड़क निर्माण के लिए पंचायत से जिले के वरीय स्तर के जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाकर थक चुके हैं. जनप्रतिनिधियों द्वारा आज तक सिर्फ आश्वासन दिया जाता है. कई बार तो यह भी बताया गया कि सड़क निर्माण के लिए टेंडर की प्रक्रिया की गयी है. अगले माह से कार्य शुरू होगा. परंतु, धरातल पर ऐसा कुछ नहीं दिखता है. ग्रामीणों ने बताया कि सबसे अधिक परेशानी बरसात के दिनों में होती है. बारिश होते ही आवागमन बंद हो जाता है. ऐसे में बच्चों की पढ़ाई बाधित होती है. वहीं किसी व्यक्ति को बीमार पड़ जाने पर अस्पताल पहुंचने में भी फजीहत होती है. ग्रामीणों ने बताया कि स्थानीय मुखिया द्वारा हर बार यह कह कर टाल दिया जाता है कि यह उनकी सीमा क्षेत्र में नहीं है. इसलिए पंचायत से निर्माण नहीं कराया जा सकता है. ग्रामीणों ने स्थानीय विधायक एवं जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए सड़क बनवाने की मांग की है. विदित हो कि यह गांव उत्तर कोयल नहर से दक्षिण करीब डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है!

राकेश सिंह को पुनः भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य बनने पर कार्यकर्ताओ ने बधाई दी

पटना , ।

भाजपा नेता राकेश सिंह को पुन प्रदेश कार्य समिति सदस्य बनने पर बधाई देने वाले का लगा रहा ताता इसी क्रम मे आज उनके आवास पर भी लोगो ने पहुंच कर अंग वस्त्र और मिठाई खिलाकर बधाई दिया इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष मंटू बाबा मंडल अध्यक्ष रामानंद सिंह पूर्व मुखिया हरी सहनी मनोज गुप्ता प्रमोद सिंह बमबम सिंह जीतेन्द्र गिरी सुमंत बाबा अर्जुन सिंह सहित सैकड़ो कार्यकर्त्ता पहुंच कर बधाई और शुभकामनायें दिया इस के लिए सभी लोगो ने प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल सांसद राजीव प्रताप रूडी और जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह को भी धन्यवाद दिया प्रदेश कार्यक्रम समिति बनने पर मंडल अध्यक्ष दीपक शर्मा ने भी सोनपुर मे अंग वस्त्र से स्वागत किया गया और कहा की इससे पार्टी को मजबूती मिलेगी और पार्टी के कार्य मे मदद मिलेगा यह बहुत ही मेहनती लोग है और पार्टी के कार्य मे हमेशा लगे रहते है बनने से जिला मे संघठन और मजबूत होगा वही बिहार सरकार मंत्री मंटू सिंह ने फोन पर बात कर बधाई और शुभकामनायें दिया।

स्कूल बैग बिहार से गरीबी, अशिक्षा और बेरोजगारी खत्म करने का रास्ता है,

संगठन का लक्ष्य अगले तीन महीने में पार्टी के चुनाव चिन्ह को हर घर, हर व्यक्ति तक पहुंचाना होगा- कुंवर चंद्रेश

मुंगेर।

जन सुराज पार्टी के जिला मुख्य प्रवक्ता कुंवर चंद्रेश ने जिला संगठन पदाधिकारियों के साथ पार्टी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग द्वारा पार्टी को स्कूल बैग चुनाव चिन्ह आवंटित किये जाने का स्वागत किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रदेश संगठन महासचिव सुभाष सिंह कुशवाहा ने कहा कि जन सुराज पार्टी के पांच संकल्पों में पहली प्राथमिकता बिहार के बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना है। इसी को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने चुनाव आयोग से चुनाव चिन्ह स्कूल बैग की मांग की थी, जिसे आयोग ने स्वीकार कर लिया है। जन सुराज के सभी 243 प्रत्याशी स्कूल बैग के चिन्ह पर चुनाव लड़ेंगे। अब हमारे संगठन का लक्ष्य अगले तीन महीने में पार्टी के चुनाव चिन्ह को हर घर, हर व्यक्ति तक पहुंचाना होगा और उन्हें बताना होगा कि बिहार को बदहाली से बाहर निकालने का रास्ता शिक्षा यानि स्कूल बैग है। इसके साथ ही जिला के मुख्य प्रवक्ता कुंवर चंद्रेश जी ने भी कहा कि आज हम सभी पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने हर घर तक पार्टी का चुनाव चिन्ह स्कूल बैग पहुंचाने का संकल्प लिया है। हमारी सरकार बनेगी तो विश्वस्तरीय शिक्षा व्यवस्था देंगे और पार्टी के कार्यकर्ता घर घर जाकर हस्ताक्षर अभियान भी चला रहे हैं। जिला अध्यक्ष योगेंद्र मंडल ने कहा कि स्कूल बैग सिर्फ एक चुनाव चिन्ह नहीं है, यह पार्टी के मुख्य विचारों को दशार्ता है कि लोगों को अपने बच्चों के चेहरे को देखकर वोट देना चाहिए न कि नेताओं के चेहरे को देखकर। जिला युवा अध्यक्ष राकेश गोप बिहार के बच्चों की शिक्षा और रोजगार के लिए वोट देना चाहिए। क्योंकि शिक्षा यानि स्कूल का बस्ता ही बिहार से गरीबी और बेरोजगारी को खत्म करने का एकमात्र उपाय है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश संगठन महासचिव सुभाष सिंह कुशवाहा, जिला प्रभारी रमेश सिंह , जिला अध्यक्ष योगेंद्र मंडल, जिला मुख्य प्रवक्ता कुंवर चंद्रेश, जिला युवा अध्यक्ष राकेश गोप , जिला महिला अध्यक्ष कविता देवी समेत अन्य नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

मोहर्रम के पर्व को लेकर केंद्रीय विसर्जन समिति की हुई बैठक

मोहर्रम जुलूस में हम लोगों को होने वाली परेशानियां तथा बिजली की समस्या पर हुई चर्चा

जमालपुर।

मुसलमानों का त्योहार मुहर्रम को लेकर केंद्रीय प्रतिमा विसर्जन समिति के तत्वावधान में शुक्रवार को श्री मारवाड़ी धर्मशाला परिसर में एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता आदर्श थाना जमालपुर के थाना अध्यक्ष राजेश कुमार ने किया। बैठक में चर्चा करते हुए कहा गया कि आगामी 7 जुलाई को मुहर्रम का पर्व मनाया जाएगा।। थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने हिन्दू और मुसलमान प्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण ढंग से मुहर्रम का पर्व मनाया जाए। मुहर्रम जुलूस के दौरान किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो, इसे ध्यान में रखते हुए थानाध्यक्ष ने केंद्रीय प्रतिमा विसर्जन समिति के पदाधिकारी तथा सदस्यों को विशेष तौर पर मुहर्रम जैसे त्योहार में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए जमालपुर शहर में हिंदू मुस्लिम एकता को मजबूत करने की दिशा में विशेष योगदान देने की अपील की। विसर्जन समिति की ओर से मुहर्रम पर्व के मौके पर आम लोगों को होने वाली समस्या से थाना अध्यक्ष को अवगत कराया गया। जिसमें मुख्य रूप से शहर में उत्पन्न होने वाली विद्युत की समस्या पर चर्चा करते हुए मुहर्रम जुलूस तय समय सीमा पर निकालने तथा जुलूस की अवधी सुनिश्चित करने पर विशेष छोड़ दिया गया। मौके पर राज गुप्ता उर्फ सिंटू, गिरधर संघई, बजरंगी, कमल किशोर उर्फ पंकू पासवान, साई शंकर, बलविंदर सिंह अहलूवालिया, भवेश चौधरी, मो हारुन, मो माहताब, मो राजू सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

श्रीमद् देवी भागवत कथा के द्वितीय दिवस पर माता रानी के अवतारों पर विस्तार से की गई चर्चा

भगवान विष्णु ने हयग्रीव अवतार में घोड़े का सिर और मनुष्य का धर धारण किया

जमालपुर। श्री श्री 108 महामाया शक्तिधाम मंदिर के तृतीय स्थापना दिवस के मौके पर श्री मारवाड़ी धर्मशाला के प्रांगण में चल रहे श्रीमद् देवी भागवत के द्वितीय दिवस पर भगवान विष्णु के अवतार की कथा के साथ-साथ माता के दुर्गा स्वरूप की चर्चा की गई। कथावाचक कौशिक भाई भट्ट ने माता रानी के अवतारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आषाढ़ीय नवरात्र के पावन अवसर पर आयोजित देवी भागवत कथा का विशेष महत्व होता है। विष्णु का हयग्रीव अवतार और माता रानी की कृपा से मध-कैटभ राक्षसों के वध की कथा की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि पुरे ब्रह्मांड का जो सुप्रीम पावर है, वही शक्ति मां हे। सारा जगत शक्ति का ही येचिद विलास है। देवी भागवत कथा के अनुसार, भगवान विष्णु ने हयग्रीव अवतार लिया और माता रानी की कृपा से मधु और कैटभ नामक दो राक्षसों का वध किया। यह कथा भगवान विष्णु के हयग्रीव अवतार की है, जिसमें उन्होंने घोड़े का सिर और मनुष्य का धड़ धारण किया था। इस दौरान उन्होंने शुकदेव जी के प्रागट्य की कथा पर भी चर्चा किया। द्वितीय दिवस के कथा के यजमान माधव व पूजा मसकारा तथा गोपाल व मोना अग्रवाल ने विधि विधान से पूजा अर्चना की। कथा के समापन सूत्र में महेश संघई ने व्यास पीठ पर आरती कर सभी देवी देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त किया। कथा की व्यवस्था में मंत्री गिरधर संघई, योगेश अग्रवाल,राजकुमार शर्मा,जयशंकर शर्मा,दिनेश जोशी,योगेश अग्रवाल, संदीप मेहरिया, रीतेश गर्ग, शेखर जलान, सुनील जलान, पुरुषोत्तम मेहा, राजू मेहरिया, विशाल, अंकित, श्याम शाह, अर्पिता टोला, आशीष शाह सहित अन्य श्रद्धालुओं ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुंगेर का गौरव अंतर्राष्ट्रीय सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र को विश्व रिकॉर्ड के लिए किया गया चयनित

लंदन में सम्मानित होंगे भारत के लाल मधुरेंद्र, मिला चयन पत्र, बिहार में हर्ष

मुंगेर।

राजा दानवीर कर्ण की भूमि तथा कला एवं आध्यात्मिक की नगरी कहीं जाने वाली मुंगेर के गौरव के रूप में अंतर्राष्ट्रीय सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने एक बार फिर विश्व पटल पर अपनी कला का लोहा मनवाया है। बिहार के लाल अंतर्राष्ट्रीय सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार को लंदन में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉड्र्स के लिए चयनित किया गया हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देशहित में कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 31 वर्षीय युवा भारतीय रेत कलाकार मधुरेंद्र कुमार का नाम अंकित किया गया हैं। इसकी पुष्टि करते सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार ने मिडिया को बताया कि यह जानकारी लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड के टीम ने ईमेल पर चयन पत्र भेजकर दी हैं। वहीं, लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के मुताबिक रेत कला के महान हस्तियां मधुरेंद्र कुमार को यह सम्मान ब्रिटिश पार्लियामेंट, लंदन में आयोजित एक समारोह में दिए जाने की संभावना हैं। गौरतलब हो कि, पूरे भारत में बिहार से अपनी गहरी ताल्लुक रखने वाले शिल्पकार मधुरेंद्र कुमार भारतीय कला इतिहास में अबतक का पहला ऐसा कलाकार होंगे, जिनको लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए चयन कर सम्मान के लिए आंमत्रित किया गया हैं। निश्चित तौर पर यह सफलता मधुरेंद्र के लिए महत्वपूर्ण पहचान के रूप में दुनिया भर में स्थापित होगा। यह जानकारी मिलते ही कलाकार मधुरेंद्र को चाहने वाले हजारों, लाखों शुभचिंतको व कलाप्रेमियों ने भी बधाई दी हैं। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया पर पोस्ट की प्रदेश सचिव मानसी कुमारी, पत्रकार सह सामाजिक कार्यकर्ता पवन कुमार चौधरी, फिल्म निर्देशक रवि कुमार तथा फिल्म

अष्टभुजी धाम में महाआरती का आयोजन

15 दिनों के अंदर मेदांता हॉस्पिटल की लगेगी स्वास्थ्य शिविर

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के बारुण प्रखंड मुख्यालय से 12 किलोमीटर की दूरी पर पटना कैनाल के उतरी छोर पर ग्राम पिपरा में अष्टभुजी धाम के प्रांगण में आषाढ़ मास के गुप्त नवरात्रि के अवसर पर महाआरती का आयोजन किया गया। अष्टभुजी धाम महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष मुखिया प्रतिनिधि विजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का संचालन संयोजक सुरेश विद्यार्थी द्वारा किया गया। महाआरती के मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जदयू के प्रदेश उपाध्यक्ष,सूर्य राघव मंदिर बड़ेम के अध्यक्ष,महोत्सव रत्न संजीव कुमार सिंह एवं बारुण प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज अग्रवाल की गरिमामई उपस्थिति रही। योग्य आचार्यो के सान्निध्य में माता अष्टभुजी एवं मंदिर परिसर स्थित सभी देवी देवताओं की विशेष पूजा अर्चना की गई।तत्पश्चात अष्टभुजी माता के विभिन्न लीलाओं से संबंधित आरती का गान किया गया।समिति के लिए गए निर्णय के आलोक में हर माह महाआरती की जाएगी। उपाध्यक्ष अजय कुमार, सचिव राजा दिलीप सिंह, उपसचिव रामेश्वर भगत कोषाध्यक्ष आलोक कुमार गुप्ता सहित सैंकड़ों ग्राम वासियों ने महाआरती के आयोजन में विशेष सहभागिता निभाई।मुख्य अतिथि मनोज अग्रवाल ने बताया कि अष्टभुजी धाम महोत्सव को कला संस्कृति विभाग से दर्जा दिलाने की जो अनुशंसा करने की बात थी उसमें मैंने तत्परता निभाई। मेरा पूरा प्रयास होगा कि इस स्थल का समुचित विकास हो सके। महोत्सव रत्न संजीव कुमार सिंह ने संबोधन के क्रम में कहा कि बारुण प्रखंड का अष्टभुजी धाम धार्मिक संप्रेषणाओं से युक्त अत्यंत ही पवित्र एवं मनोहरी स्थल है।इस धाम को कला संस्कृति विभाग से दर्जा दिलाना मेरी पहली प्राथमिकता है। 15 दिनों के अंदर पिपरा के प्रांगण में मेदांता हॉस्पिटल के सान्निध्य में स्वास्थ्य शिविर लगाने की बात कही। स्वास्थ्य शिविर के लिए तिथि की घोषणा जल्द की जाएगी।मौके पर लक्ष्मण सिंह,लालमोहर प्रजापति,अक्षय लाल गुप्ता,सुरेंद्र प्रसाद,अर्जुन प्रसाद,चुन्नीलाल, त्रिवेणी राम सहित अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

पति तो पहले से ही बेसुध थे अब बेटा भी हाथ से गया , प्रोफेसर

दिव्य दिनकर

भागलपुर मे शराब बंदी का असर अच्छा होने के बजाय बहुत ही खराब देखने को मिल रहा है । यह सिर्फ बोलने के लिए है की बिहार ड्राई स्टेट है । यहां शराबबंदी कागज तक ही सीमित है, हकीकत कुछ और है । आप बिहार मे सभी ब्रांड का कितने भी क्वॉन्टिटी मे शराब मांगेंगे आपको मिल जाएगा । हॉ, कीमत मनमानी चुकानी पडेगी । और यह बात पुलिस प्रशासन को मालूम नहीं सो बात नहीं, बल्कि उसकी संलिप्तता भी समय समय पर हमे देखने को मिल ही जाता है । पहले शराब दुकान पर बिकती थी अब होम डिलिवरी होता है । और पुलिस को भी डिलीवरी बॉय का पता रहता ही है । इस शराब बंदी कानून के चक्कर मे सबसे खतरनाक जो बात हुई वो है सुखा नशा का भयंकर रूप से पनपना । युवा के साथ साथ किशोर भी इस चपेट मे आ गया है । अभी आधे से ज्यादा क्राइम इन किशोरों के द्वारा हो रही है जो स्मैक्स सेवन के आदि हो चुके हैं । थाना के सामने किराना और चाय दुकान धड़ल्ले से इसे बेच रहा है और पुलिस को पता ही नही । पैडलर बच्चो को बनाया जा रहा है । एक आकलन के हिसाब से भागलपुर शहर मे कम से कम तीस हजार युवा/किशोर इस सखा नशा के आदि हो चुके हैं ।सामाजिक कार्यकर्ता तथा जनसुराज नेता प्रोफेसर देबज्योति मुखर्जी को पूछने से बताते हैं बिहार की महिला इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं । जिनके पति शराबी हैं वह तो चोरी छिपे शराब पी ही लेता है, उपर से बेटा भी स्मैक्स पीकर हाथ से बाहर चला गया है । ऐसा अगर चलता रहा तो हमे अगला पीढ़ी के रूप मे बहुत ही कम शख्स मिलेंगे जो बिहार या देश को आगे ले जा सके ! उधर बबरगंज थाना क्षेत्र में भी कई किराना स्टोर सहित पान दुकान में गांजा चोरी छिपे बिक रहा है ।कई गणमान्य नाम नहीं छापने के सर्त बताते हैं जी हां सिक्रेट में भर कर गांजा काफी दिनों से बिक रहा है, जो की काफी दिनों से फल फूल रहा है। बबरगंज तत्कालीन थानाध्यक्ष पवन कुमार सिंह के समय बहुत हद तक नशा पदार्थ बिक्री पर प्रतिबंध लगा था। भागलपुर शहर के तिलकामांझी, अलीगंज,सराय, जीरोमाइल, सबौर, साहेबगंज, अकबरनगर इन सभी जगह जोर शोर से बिक रहा है।

सीपीआई नेता के निधन पर शोक श्रद्धांजलि अर्पित की गई

रिपोर्ट / निशांत कुमार

हसपुरा (औरंगाबाद) - हसपुरा प्रखण्ड में सीपीआई पार्टी जखौरा शाखा के टनकुपी गांव निवासी शिव गोविंद यादव का आक्सिमक निधन बुधवार को इलाज के दौरान हो गया। निधन की खबर जैसे ही सीपीआई कार्यकताओं को मिली शोक की लहर दौड़ पड़ी। शोक श्रद्धांजलि अर्पित के लिए उनके आवास पर भीड़ इकठ्ठा हो गई। पूर्व जिला मंत्री जगनारायण सिंह विकल, अंचल मंत्री अधिवक्ता चंद्रशेखर सिंह,जिला परिषद सदस्य नागेश्वर यादव,राम एकबाल सिंह सहित पूर्व प्रमुख विजय कुमार, अरूण कुमार रंजन , अवध किशोर सिंह,राज कुमार , श्याम किशोर यादव, योगेन्द्र राजवंशी,रामलखन सिंह, रामदेव राजवंशी, राजेन्द्र सिंह, कामेश्वर सिंह,बालेश्वर राजवंशी ,मुन्नीलाल यादव, रजक यादव सहित दर्जनों लोगों ने आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि का . शिव गोविंद यादव बाम पंथ के कट्टर समर्थक थे। उन्होंने सुदूर गांव में रहकर लाल झंडे को निरंतर बढ़ाने का काम करते थे।उनकी अंतिम विदाई लाल झैड़े देकर की गई।

पृथ्वी तिवारी की फिल्म छाया की शूटिंग शुरू हो गई कुशीनगर में

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

कुशीनगर (उत्तर प्रदेश) :- प्रग्यामैटिक फिल्म प्रा लि के बैनर तले बन रही भोजपुरी फिल्म ₹छाया₹ की शूटिंग शुरू हो गई है, जिसमें पृथ्वी तिवारी और रक्षा गुप्ता मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन जसपाल कर रहे हैं और निमार्ता गौरव छाबड़ा और प्रियंका छाबड़ा हैं। फिल्म छाया की शूटिंग उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में हो रही है, जो फिल्म उद्योग के लिए एक आकर्षक और अनुकूल गंतव्य बन रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को धन्यवाद देते हुए, निमार्ताओं ने कहा कि समय-समय पर लगभग सभी फिल्मों को प्रोत्साहन राशि सब्सिडी दी जाती है, जिससे निमार्ता को थोड़ी राहत मिलती है। फिल्म छाया में कुल सात गाने हैं और इसकी शूटिंग कुशीनगर में हो रही है, जिससे स्थानीय कलाकारों और तकनीशियनों को भी अवसर मिल रहा है। इस फिल्म के मुख्य कलाकार है - पृथ्वी तिवारी, रक्षा गुप्ता, अंशु तिवारी, रोहित सिंह मटरु, अशोक गुप्ता, टी एन त्रिपाठी,प्रमोद पाण्डेय, अनुपमा यादव, मनोज द्विवेदी, रमेश यादव, रोहित श्रीवास्तव, विनोद तिवारी और चेतन सिंह और अन्य कलाकार भी हैं। इस फिल्म के निमार्ता गौरव छाबड़ा और प्रियंका छाबड़ा है ,निर्देशक जसपाल ,सह निमार्ता एहसास कंजीलाल , डीओपी कृष्णा पाण्डेय, प्रोजेक्ट डिजाइनर संदीप मिश्रा ,सहायक निर्देशक संजय तिवारी, राजेश अच्युतन, विशाल शर्मा,कथा संदीप मिश्रा ,पटकथा संवाद संजय तिवारी, चंदन सिंह, संगीत मधुकर आनंद, रवि राज दीपू ,गीतकार रवि राज दिपु, प्रमोद पाण्डेय, संदीप मिश्रा ,कार्यकारी निमार्ता विपिन सिंह,कॉस्टयूम विद्या मौर्या पीआरओ संजय भूषण पटियाला ,कास्टिंग डायरेक्टर रमेश यादव, स्टील कैमरा अनिल भूषण है। फिल्म छाया के बारे में पृथ्वी तिवारी ने कहा, मुझे यह फिल्म की शूटिंग कर के बहुत अच्छा लग रहा है, खास कर यहाँ के दर्शक मुझे बहुत प्यार करते हैं। फिल्म की शूटिंग कुशीनगर में हो रही है, जो उत्तर प्रदेश के प्रमुख शूटिंग स्थलों में से एक है।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल संसदीय समिति की बैठक का आयोजन

हाजीपुरः

पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल की ह्यमंडल संसदीय समितिह्य की बैठक का आयोजन मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, डीडीयू के सभागार में किया गया । इस बैठक में पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल क्षेत्राधिकार के माननीय सांसदगण ने भाग लिया । बैठक की अध्यक्षता पलामू के माननीय सांसद श्री विष्णु दयाल राम द्वारा की गयी । बैठक में माननीय सांसदगण द्वारा जनहित से जुड़े मुद्दे एवं रेल के सर्वांगीण विकास हेतु अपने-अपने सुझावों को रखा गया । इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह, पं.दीन दयाल उपाध्याय मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री उदय सिंह मीना सहित मुख्यालय एवं मंडल के अधिकारीगण उपस्थित थे । ` आज की इस बैठक में पलामू के माननीय सांसद श्री विष्णु दयाल राम, चंदौली के माननीय सांसद श्री वीरेंद्र सिंह, सासाराम के माननीय सांसद श्री मनोज कुमार, आरा के माननीय सांसद श्री सुदामा प्रसाद, काराकाट के माननीय सांसद श्री राजा राम सिंह तथा राज्य सभा की माननीया सांसद श्रीमती दर्शना सिंह एवं श्रीमती साधना सिंह उपस्थित थे। इनके अलावा माननीय केन्द्रीय मंत्री सह गया के माननीय सांसद श्री जीतन राम मांझी के प्रतिनिधि श्री राजेश कुमार पाण्डेय, बक्सर के माननीय सांसद श्री सुधाकर सिंह के प्रतिनिधि श्री अजीत, औरंगाबाद के माननीय सांसद श्री अभय कुमार सिन्हा के प्रतिनिधि श्री संजय कुमार उपस्थित थे । बैठक में माननीय सांसदगण ने रेल विकास व यात्री सुविधाओं में और वृद्धि एवं उसे सुदृढ़ करने के संबंध में बहुमूल्य सुझाव दिये। माननीय सांसदगण द्वारा आधारभूत संरचनाओं के विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने पर बल दिया गया । साथ ही बैठक में भविष्य की कार्य योजनाओं पर भी चर्चा हुई । बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने माननीय सांसदगण एवं माननीय सांसद के प्रतिनिधिगण का स्वागत करते हुए कहा कि यह बैठक रेलवे एवं जनप्रतिनिधियों के मध्य संवाद का एक सशक्त माध्यम है और आपके सुझाव हमें सेवा की गुणवत्ता में और सुधार लाने हेतु प्रेरित करते हैं । महाप्रबन्धक ने अपने स्वागत संबोधन में पं.दीन दयाल उपाध्याय मंडल द्वारा यात्री सुविधा, आधारभूत संरचनाओं के विकास आदि के क्षेत्र में किए गए कार्यों एवं नई परियोजनाओं से माननीय सांसदगण को अवगत कराया। यात्री सुविधा की दिशा में कार्य करते हुए स्टेशनों पर उन्नत यात्री सुविधायें उपलब्ध करायी गयी। जनवरी-फरवरी, 2025 में प्रयागराज में आयोजित कुंभ मेला के दौरान 1760 स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया गया एवं यात्रियों की सुविधा हेतु प्रमुख स्टेशनों पर अस्थायी होल्डिंग एरिया, अतिरिक्त टिकट काउंटर तथा भीड़ प्रबंधन हेतु नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गयी थी । मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर 22 अळश्ट मशीनें लगायी गयी है। 12 स्टेशनों पर फुट ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य पूरा किया गया है तथा 21 अन्य स्टेशनों पर निर्माण कार्य प्रगति पर है । डीडीयू मंडल के 15 स्टेशनों के पुनर्विकास का कार्य जारी है । उन्होंने कहा कि विश्वस्तरीय अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं से युक्त वर्ल्ड क्लास स्टेशन बनाने हेतु गया स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य तेजी से प्रगति पर है । महाप्रबन्धक महोदय ने माननीय सांसदों से प्राप्त बहुमूल्य सुझावों के लिये आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सुझाव हमें भविष्य में रेल विकास कार्यों की रूप-रेखा तय करने में काफी सहायक सिद्ध होगा ।

काली पहाड़ी पर जाने के लिए सड़क और सीढ़ी का हो निर्माण - सपा

आध्यात्मिक एवं पौराणिक धरोहर को संरक्षित करने की मांग को लेकर सपा अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री, धार्मिक न्यास व जिला पदाधिकारी को लिखा पत्र

जमालपुर।

आध्यात्मिक नगरी जमालपुर के सैकड़ों श्रद्धालुओं एवं धर्मावलंबियों के आग्रह व निर्देश पर मुंगेर जिला समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष पप्पू यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा धार्मिक न्यास परिषद व जिला पदाधिकारी को पत्र लिख जमालपुर काली पहाड़ी पर अवस्थित आस्था और श्रद्धा के महा केंद्र महाभारत कालीन काली मंदिर के जीर्णोद्धार और सीढ़ी व सड़क निर्माण की मांग उठाई है। सपा अध्यक्ष ने काली पहाड़ी पर स्थित धर्मशाला के निर्माण को लेकर पहल करने की गुहार लगाई है। पप्पू यादव ने अपने लिखे पत्र में कहा है कि लोगों में आम धारणा है कि वर्तमान केंद्र सरकार मतलब हिंदुत्व के रक्षार्थ व मठ-मंदिरों को संरक्षित करने वाली सरकार है। बावजूद, बिहार के मुंगेर जिला अंतर्गत जमालपुर काली पहाड़ी पर स्थित पौराणिक काली मंदिर की जर्जर स्थिति और वहां तक पहुंचने के दुर्गम

मार्ग पर किसी की नजर नहीं पड़ना आश्चर्य चकित करता है। यहां तक कि धार्मिक न्यास परिषद जैसी संस्था भी अध्यात्मिक इतिहास के साक्षी इस मंदिर की सुधि लेने के लिए तैयार नहीं है। लगभग 350 फीट की ऊंचाई पर स्थित इस मंदिर तक पहुंचाने का जर्जर मार्ग और टूटी-फूटी सीढ़ियां एक तरफ जहां हिंदुत्व सरकार को मुंह चिढ़ा रही है। वहीं दूसरी ओर छठ व्रत के दौरान साज सज्जा पर लाखों खर्च कर क्षणिक वाहवाही बटोरने वाली, कभी काली पहाड़ी की तलहटी स्थित नहर में नौका विहार तो कभी नहर के आसपास औषधि युक्त पौधा लगाने की योजनाओं की नौटंकी का ढिंढोरा पीट अखबार की सुर्खियों में रहने वाली नगर परिषद जमालपुर भी कभी केन्द्रीय विद्यालय, टीए

परमात्मा की ओर उन्मुख होकर व्यक्ति अपना जीवन धन्य बन सकता है: लक्ष्मी सिन्हा

दिव्य दिनकर

बिहार पटनाः समाजसेवी श्रीमती लक्ष्मी सिन्हा ने एक धार्मिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सत्संग की विमुखता से आज व्यक्ति केवल भौतिक संसाधनों के अवलंबन से सांसारिक नश्वर सुखों की प्राप्ति और उसे भोगने को ही अपना परम पुरुषार्थ मान बैठा है। उपभोक्तावादी संस्कृति को अपने में विवेकशून्य होकर, मृगतृष्णा की सूक्ति को चरितार्थ कर रहा है। कलिकाल के प्रभाव से वह केवल अपने परिवार तक ही सीमित और कुंठित हो गया है। राष्ट्रगौरव, देशभक्ति, परोपकार और त्याग जैसे मानवीय मानबिंदुओं की अवहेलना कर आध्यात्मिक जीवन को अर्थ-विहीन और निरुपयोगी मान बैठा हैं। ऐसे में यदि श्रीमद्भागवत महापुराण का अवलंबन लिया जाए तो निश्चित ही जीवन सुखम और लोकोपकारी हो जाएगा। दर्शन शब्द का भावार्थ-दृश्यते अनेनेति दर्शनम्। अर्थात जिसके द्वारा देखा और समझा जाता है, उसे दर्शन कहते हैं। अब यह प्रश्न पूछता है कि क्या देखा जाता है? यह देखने से तात्पर्य है किसी भी व्यक्ति, वास्तु और विचारादि के मूल स्वरूप और उसके महत्व को भलीभांति जान-समझ लेना। जीवन के मौलिक सिद्धांतों और उपयोगिताओं को

समझकर आत्मसत्य करना ही दर्शन है, जिसे अपना और दूसरों का जीवन सार्थक और उद्देश्यपूर्ण हो सके। श्रीमद्भागवतमहापुराण के महत्व का प्रथम श्लोक हमें जीने की कला का बोधत्व प्रदान करता हैः सच्चिदानंदरुपया

विश्वोत्पत्यादिहेतवे ।तापत्रयविनाशाय । श्रीकृष्णाय वयं नुमः।। अर्थात परमात्मा सत स्वरूप, चित स्वरूप और आनंद स्वरूप है तथा इस विश्व की उत्पत्ति, पालन और लय के हेतु है, जो तीनों प्रकार के ताप का शमन करने वाले हैं, उन अनंत कोटि ब्रह्मांडनायक भगवान श्रीकृष्णा को हम सब नमन करते हैं। परमात्मा के तीन नाम है-सत, चित और आनंद। आगे श्रीमती सिन्हा ने कहा कि परमात्मा सत स्वरूप है-सत का कभी नाश नहीं होता है। कोई जीव मरना नहीं चाहता है, उनमें यह भाव कैसे आ रहा है? इसलिए भगवान सत स्वरूप है। जिसके जीवन में सत रहता है, उसका कभी पतन नहीं होता है। जो व्यक्ति किसी के सन्मार्ग को बाधित नहीं करता, उसके सत का दोहन नहीं करता, उसका जीवन सत स्वरूप परमात्मा की कृपा से सदा संरक्षित और संवर्धित होता रहता है। परमात्मा चित स्वरूप है।चित स्वतंत्र और मौन है। कोई जीव पराधीनता नहीं चाहता। उसमें यह भाव कहां से आ रहा है? इसलिए परमात्मा चित स्वरूप है।चित सदा शांत और मौन द्दष्टा हैं। अतः जिसने कभी किसी के चित की शांति को स्वार्थ। या अहंकार के वशीभूत होकर बाधित नहीं किया है, उसकी शांति प्रत्येक स्थिति में रहेगी। परमात्मा आनंद स्वरूप है। कोई भी जीव दुखी होना नहीं चाहता है उसमें यह भाव कहां से आ रहा है? अतः परमात्मा आनंदस्वरूप है। आनंद सदा सबके साथ है, किंतु व्यक्ति आनंद या सुख ढूढ़ता है। भौतिक भोगपदार्थों में, जहां विषयानंद है, जो कि क्षणिक और नश्वर है। जिसने कभी किसी के सुख का अपहरण नहीं किया है, वह परमात्मा के आनंद स्वरूप का रसास्वादन करता है। जीव-जंगल के प्रणेता और नियंता भगवान है, जो व्यक्ति भगवान की ओर उन्मुख हो जाता है, उसका जीवन धन हो जाता है

मतदाता जागरूकता हेतु खेल भवन में विशेष अभियान का आयोजन किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- आगामी बिहार विधान सभा आम निर्वाचन 2025 के सफल, शांतिपूर्ण एवं अधिकतम मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार राज्य भर में Systematic Voters' Education and Electoral Participation (SVEEP)(SVEEP) कार्यक्रम के तहत विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में आज दिनांक 27 मई 2025 को जिला मुख्यालय औरंगाबाद स्थित गांधी मैदान के खेल भवन परिसर में एक विशेष मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का आयोजन जिला पदाधिकारी-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री (भा.प्र.से.) के दिशा-निर्देशन एवं मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला खेल पदाधिकारी श्री कुमार पप्पू राज द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न खेल संगठनों से जुड़े सैकड़ों खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल पदाधिकारियों ने भाग लिया। उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए श्री कुमार पप्पू राज ने लोकतंत्र में मतदान की अहमियत को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती, पारदर्शता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने में प्रत्येक नागरिक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। विशेष रूप से युवाओं और प्रथम बार मतदाताओं को प्रेरित करने की आवश्यकता है ताकि वे जागरूक मतदाता बनें और गर्व के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग करें। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी प्रतिभागियों को ह्यमतदाता शपथह्व दिलाई गई, जिसमें सभी ने निष्पक्ष, निर्भीक और समझदारी के साथ मतदान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। साथ ही, यह संकल्प भी लिया कि वे अन्य नागरिकों को भी मतदान के लिए प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर जिला नियोजन पदाधिकारी श्री दिनेश तिवारी, सहायक निदेशक, बाल संरक्षण इकाई सुश्री अनिता कुमारी, सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा कोषांग श्री महेशानंद, जिला युवा अधिकारी सहित अनेक विभागीय पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने भी कार्यक्रम के उद्देश्यों की सराहना करते हुए इसे लोकतंत्र की सशक्तिकरण प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। जिला प्रशासन द्वारा संचालित यह अभियान SVEEP कार्यक्रम की एक सशक्त कड़ी के रूप में कार्य कर रहा है, जिसके माध्यम से समाज के सभी वर्गों झ्र विशेष रूप से युवाओं, महिलाओं, दिव्यांगजनों एवं प्रथम बार मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। आगामी दिनों में भी इसी प्रकार के कार्यक्रम विद्यालयों, महाविद्यालयों, पंचायतों एवं सामुदायिक स्थलों पर आयोजित किए जाएंगे।

एक सप्ताह से वक्रब ट्रांसफार्मर नहीं बदले जाने पर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

अररिया, ।

फारबिसगंज के परवाहा वार्ड संख्या 06 और 07 का ट्रांसफार्मर पिछले आठ दिनों से खराब है।जिसके कारण विद्युत आपूर्ति पूरी तरह ठप्प है भीषण ग्रामीण में बिजली आपूर्ति नहीं होने और खराब ट्रांसफार्मर नहीं बदले जाने से ग्रामीण आंदोलित होने लगे हैं।इसी कड़ी में शुक्रवार को ग्रामीणों ने परवाहा में खराब ट्रांसफार्मर बदले जाने और बिजली सेवा बहाल किए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। अंधेरे में रहने को विवश और गर्मी से परेशान दलित समाज की महिलाओ और पुरुषों ने विद्युत विभाग और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी और प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि दलित होने के कारण उनके साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। लोगों ने बताया कि जब विभाग से ट्रांसफार्मर बदलने की बात की गई तो बताया गया कि आठ दिन के बाद ट्रांसफार्मर लगेगा। नाराज लोगों ने कहा कि पिछले सात दिनों से वे लोग अंधेरे में और भीषण गर्मी में रहने को मजबूर हैं।अंधेरे के कारण रात को हमेशा सांप और बिच्छू का डर बना रहता है। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि महीने में मुश्किल से दस दिन बिजली रहती है,

चाचा की हत्या करने के आरोपी भतीजे को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद। जिले के सदर प्रखंड के फेसर थाना अंतर्गत चाचा की हत्या करने के आरोपी भतीजे को पुलिस ने किया गिरफ्तार। बताते चलें कि फेसर थाना क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह चाचा-भतीजे के बीच हुए विवाद ने खौफनाक मोड़ ले लिया जब 22 वर्षीय रामू कुमार ने अपने ही चाचा को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही फेसर थानाध्यक्ष अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को आनन-फानन में अस्पताल भेजा, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल औरंगाबाद भेजा गया, वहीं एफएसएल की टीम ने साक्ष्य संकलन शुरू कर दिया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि आरोपी रामू कुमार मानसिक रूप से विक्षिप्त और नशे का आदी था। नशे में धुत रामू ने मामूली विवाद में अपने चाचा पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे उसकी जान चली गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और लोग दहशत में आ गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए औरंगाबाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज कुछ घंटों में आरोपी रामू कुमार को उसके गांव दिल मोहमदगंज से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस घटना से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है, वहीं पुलिस ने लोगों से अफवाहों से दूर रहने और किसी भी घटना की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है ताकि घटना के सभी पहलुओं का खुलासा किया जा सके।

नाम नहीं नीतियां बदलने से बदलेंगे हालात

>> विचार

> "'इंडिया शाइनिंग' से लेकर 'अच्छे दिन' तक के नारों के शोर हम सुनते रहे हैं। इस तरह के नारे समय-विशेष की आवश्यकताओं के संदर्भ में कुछ सांत्वना भले ही देते हों, पर अक्सर यह देखा गया है कि सरकारें बदलती स्थितियों के अनुसार अपने वादों और दावों को बदलती रहती हैं और अक्सर उन्हें जनता को भरमाने के अपने उद्देश्य में सफलता भी मिल जाती है। आधी सदी से ज़्यादा समय हो गया है जब देश में 'गरीबी हटाओ' का नारा चला था। तब से लेकर आज तक अलग-अलग दलों की सरकारें आती-जाती रहीं, पर देश की गरीबी नहीं मिटी। आंकड़ों से भले ही गरीबी के कम होने की दुहाई दी जा रही हो, पर यह तथ्य अपने आप में परेशान करने वाला है कि आज देश की 80 करोड़ आबादी, यानी आधी से कहीं ज़्यादा आबादी, पांच किलो अनाज के सहारे जी रही है!

विश्वनाथ सचदेव

शेक्सपियर ने भले ही कह दिया हो कि नाम में क्या रखा है, पर हकीकत तो यही है कि आपका नाम आपके चरित्र को बदलने की क्षमता रखता है। शायद इसी समझ का यह परिणाम है कि हमारी सरकारें नाम बदलने की नीति में विश्वास करती दिख रही हैं। गली- मोहल्लों के नाम बदलने से लेकर शहरों तक के नाम बदलने की देश में जैसे एक प्रतिस्पर्धा-सी चल रही है। कोई भी राज्य इस काम में पीछे नहीं रहना चाहता। राज्य यह मानकर चलते दिख रहे हैं कि नाम बदलने की यह कवायद जादुई असर रखती है। इस प्रवृत्ति का ताज़ा उदाहरण मध्य प्रदेश में दिखा है। वहां रातों-रात बेरोज़गारी समाप्त कर दी गयी है। सरकार ने बाकायदा इस बात की घोषणा की है कि अब प्रदेश में कोई बेरोज़गार नहीं है! ऐसा नहीं है कि राज्य में सबको रोज़गार मिल गया है। हुआ यह है कि राज्य सरकार को अचानक यह इलहाम हुआ है कि बेरोज़गारी की इस समस्या से निपटने का सबसे कारगर तरीका यह है कि रोजगार की तलाश में सड़कों पर भटकते, नारे लगाते युवाओं का नाम ही बदल दिया जाये। न रहेगा बांस, न बजेगी बांसुरी! इसलिए सरकार ने ऐलान कर दिया है कि अब सरकारी दस्तावेजों में राज्य के बेरोज़गार युवाओं को 'रोज़गार खोजने वाला युवा' कहा जायेगा। ऐसे में युवाओं को एक अच्छा-सा नाम भी दे दिया गया है। मध्य प्रदेश के कौशल विकास मंत्री ने यह घोषणा कर दी है कि अब इन युवाओं को 'आकांक्षी युवा' कहा जायेगा। शेक्सपियर ने भले ही कुछ भी माना या कहा हो, हमारी सरकार यह मानती है कि बेरोज़गारी शब्द युवाओं का मनोबल गिराता है, इस शब्द का अस्तित्व ही समाप्त कर दिया जाना चाहिए। अब युवाओं पर इसका नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। उनका मनोबल बना रहेगा। इस निर्णय के परिणाम स्वरूप सरकारी नौकरियों में कार्यरत युवा उच्च पद पाने की आकांक्षा रखेंगे और बेरोज़गार युवा नौकरी की आकांक्षा रखेंगे। बेरोजगारी की समस्या का इससे अच्छा भला और क्या समाधान हो सकता है? सरकारी आंकड़ों और मान्यता के अनुसार मध्य प्रदेश में 'आकांक्षी

युवाओं' की संख्या दिसंबर 2024 में 26 लाख थी अब यह बढ़कर 29 लाख हो गयी है। सरकारी आंकड़े यह भी बताते हैं कि सन 2020 से सन 2024 के दौरान राज्य में 27 रोज़गार मेले लगाये गये थे, इनमें तीन लाख युवाओं को रोज़गार के प्रस्ताव मिले थे। अब सरकार यह मान रही है कि बेरोजगारों का नाम बदलने से रोज़गार मिलने की गति में तेजी आयेगी और जल्दी ही बेरोजगारी का खात्मा हो जायेगा। निश्चित रूप से देश के अन्य राज्य भी मध्य प्रदेश से प्रेरणा प्राप्त करेंगे और समस्याओं के समाधान का यह नाम बदलू तरीका अपनाकर देश में एक नई क्रांति का सूत्रपात करने में अपना योगदान देंगे। राज्य सरकार के इस कदम को सार्थक परिणति तक पहुंचाने के काम को गति देने के लिए जनता के सुझाव भी आने लगे हैं। ऐसे सुझावों में एक सुझाव गरीबों को 'अर्ध धनवान' नाम देने का भी है। इसी तरह भिखारियों को 'सड़क के स्टार्टअप खोजी' कहकर देश की इस समस्या से भी छुटकारा पाया जा सकता है। शुतुरमुर्ग के बारे में यह कहा जाता है कि संकट आने पर वह अपना सर रेत में छुपा लेता है और मान लेता है कि क्योंकि संकट उसे नहीं दिख रहा, इसलिए वह मिट गया है। कुछ ऐसी ही प्रवृत्ति हमारी सरकारों में दिख रही है। अन्यथा यह कैसे संभव है कि बेरोज़गार को आकांक्षी युवा कहने से उसका संकट मिट जायेगा? किसी भी समस्या का समाधान समस्या की आंख से आंख मिलाकर उसका सामना करने से होता है, न कि यह मान लेने से कि समस्या है ही नहीं। हमें यह मानना ही होगा कि बेरोज़गारी और गरीबी हमारी बहुत बड़ी समस्या हैझ और चुनौती भी। इस समस्या का समाधान चुनौती को स्वीकार करके ही किया जा सकता है। अक्सर वक्त की सरकारें लोकलुभावनी नारों से जनता को भरमाने की कोशिश करती हैं, और अक्सर जनता इन नारों के जाल में फंस जाती है। 'इंडिया शाइनिंग' से लेकर 'अच्छे दिन' तक के नारों के शोर हम सुनते रहे हैं। इस तरह के नारे समय-विशेष की आवश्यकताओं के संदर्भ में कुछ सांत्वना भले ही देते हों, पर अक्सर यह देखा गया है कि सरकारें बदलती स्थितियों के अनुसार अपने वादों और दावों को बदलती रहती हैं और अक्सर उन्हें जनता को भरमाने के अपने उद्देश्य में सफलता भी मिल जाती है। आधी सदी से ज़्यादा समय हो गया है जब देश में 'गरीबी हटाओ' का नारा चला था। तब से लेकर आज तक अलग-अलग दलों की सरकारें आती-जाती रहीं, पर देश की गरीबी नहीं मिटी। आंकड़ों से भले ही गरीबी के कम होने की दुहाई दी जा रही हो, पर यह तथ्य अपने आप में परेशान करने वाला है कि आज देश की 80 करोड़ आबादी, यानी आधी से कहीं ज़्यादा आबादी, पांच किलो अनाज के सहारे जी रही है! उस पर तुर्रा यह कि हमारी सरकार इसे अपनी उपलब्धि के रूप में गिनाती-जताती है! आज़ादी प्राप्त करने के 78 साल बाद भी यदि देश की 80 करोड़ आबादी को सरकारी सहायता के रूप में मिलने वाले मुफ्त अनाज के सहारे जीना पड़ रहा है तो यह किसी भी सरकार के लिए गर्व की नहीं, चिंता की बात होनी चाहिए, और इसे सरकार की एक उपलब्धि के रूप में गिनाया जा रहा है! हर साल दो करोड़ बेरोज़गारों को रोज़गार देने का वादा करके सत्ता में आने वाली सरकार देश के बेरोज़गारों को 'आकांक्षी युवा' का नाम देकर अपने वादों को भुलाने की कोशिश कर रही है, इसे राष्ट्रीय चिंता के रूप में ही स्वीकारा जाना चाहिए। जिस तरह सुलझाने के लिए पहले समस्या के अस्तित्व को स्वीकारना ज़रूरी होता है, उसी तरह मौजूद स्थितियों को भी स्वीकारना होता है। तभी स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए कुछ सार्थक किया जा सकता है। पर हमारी सरकारें तो जनता की समस्याएं सुलझाने के बजाय जनता को भरमाने की नीति में विश्वास करती हैं। ऐसा नहीं है कि बेहतर स्थितियों के लिए कुछ नहीं हुआ, बहुत कुछ हुआ है, पर जितना कुछ हुआ है उससे कहीं अधिक होना बाकी है। जो किया है, उसका यश सरकारों को मिलना चाहिए, पर जो किया जाना बाकी है उसे स्वीकारना भी सरकार का ही दायित्व है। यह दायित्व बेरोज़गार युवा को आकांक्षी युवा कहने से पूरा नहीं होगा। कुछ ठोस करने की आवश्यकता है। बेरोज़गारी हमारी समस्या है, गरीबी हमारी समस्या है। यह तथ्य स्वीकारना ही होगा। नये नामों या नये नारों से बात नहीं बनेगी। 'अच्छे दिन' को परिभाषित करके उन परिकल्पनाओं को धरती पर उतारना ही होगा। पुराने नारों को भुलाकर नये नारों से भरमाना, संभव है, कुछ तात्कालिक लाभ दे दे, पर किसी इलाहाबाद को प्रयागराज नाम देने से या बेरोज़गार को आकांक्षी कह देने से बात नहीं बनेगी। 'व्यापम घोटाले' के बाद संस्था का नाम कर्मचारी चयन बोर्ड कर देने से किसी व्यापम वाली शर्म मिट नहीं जायेगी। युवाओं को नया नाम नहीं, काम चाहिए। महंगाई को 'कीमतों में विविधता' और भ्रष्टाचार को 'नवाचार' कहना नीति में नहीं, नीयत में खोट का संकेत है।

संपादकीय

सिग्नल नियम तोड़ने वालों पर हो कार्रवाई

शहरों में ट्रैफिक की समस्या लोगों की परेशानी बनी है। समस्या को दूर करने के लिए सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना जरूरी है। बस, मेट्रो,ट्रेन सेवाओं में सुधार करना,उन्हें अधिक सुलभ और किफायती बनाना, स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली लागू करना, सड़क नेटवर्क का विस्तार, फ्लाई ओवर और अंडरपास का निर्माण करके ट्रैफिक को बेहतर तरीके से प्रबंधित करना,सड़कों को चौड़ी करना, ट्रैफिक सिग्नलों को स्वचालित करना और वास्तविक समय के ट्रैफिक डेटा के आधार पर समायोजित करना, सिग्नल नियम तोड़ने वाले लोगों पर कानूनी कार्रवाई करना जैसे उपाय ट्रैफिक समस्या को दूर करने में मददगार बन सकेंगे लोग यदि अपने निजी वाहनों के स्थान पर सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें तो ट्रैफिक की समस्या से काफी हद तक निजात पाया जा सकता है। बड़ी-बड़ी कारें सड़क-मार्गों को अवरुद्ध करने का एक प्रमुख कारण है। अतः नजदीकी स्थलों पर पैदल जाने का प्रयास करना चाहिए अथवा साइकिल का प्रयोग करे। इससे शरीर का व्यायाम होगा, ईंधन की बचत होगी और प्रदूषण भी कम होगा। अक्सर देखा जाता हैं कि सड़क की किनारे दुकानें होती है, जहां ग्राहक सामान लेने आते तो हैं पर वाहन बीच सड़क खड़े कर देते हैं जिसकी वजह से दूसरी गाड़ियों को निकलने में बहुत समस्या होती हैं इसलिए चालक अपना वाहन बीच सड़क पर खड़ा ना करें तभी ट्रैफिक की समस्या दूर होगी।

भारत में गरीबी कम होने का दावा एक क्रूर मज़ाक है

विमल कुमार

विश्व बैंक ने भारत के 2022-23 के घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण पर आधारित एक नई रिपोर्ट जारी की है, जिसमें उसने घोषणा की है कि भारत ने लगभग अत्यधिक गरीबी को समाप्त कर दिया है और अब केवल 2.3 प्रतिशत आबादी ही अत्यधिक गरीबी रेखा से नीचे रह रही है। यह रिपोर्ट दावा करती है कि 2011-12 और 2022-23 के बीच, 17.1 करोड़ लोगों को 2.15 डॉलर प्रतिदिन की अत्यधिक गरीबी रेखा से ऊपर उठाया गया है। यह दावा एक सफ़ेद झूठ है और भारत में लाखों लोगों के जीवन-यथार्थ से इसका कोई लेना-देना नहीं है।पिछले 11 सालों में मोदी सरकार ने भारत में लोगों की आजीविका को एक के बाद एक कई बड़े झटके दिए हैं। इनमें 2016 में नोटबंदी, 2017 में जीएसटी लागू करना, 2020 में पूरी तरह से अनियोजित और कठोर लॉकडाउन लागू करना, 2020 में प्रस्तावित तीन कृषि कानून और 2019 और 2020 में नए श्रम संहिता आदि शामिल हैं। मनरेगा जैसी कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च स्थिर हो गया है। निजीकरण और ठेकाकरण में तेजी से न केवल सरकारी नौकरियों में कमी आई है, बल्कि जो नौकरियां बची हैं, उनमें भी रिक्तियां कई गुना बढ़ गई हैं। कृषि और छोटे व्यवसायों के लिए बैंक ऋण की उपलब्धता कम हो गई है, जबकि बड़े व्यवसायों को भरपूर लाभ हुआ है।

जब भारतीय लोग अभूतपूर्व आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, तब सरकार ने आँकड़ों का फर्जीवाड़ा करने और सुर्खियों को बटोरने के लिए अतिरिक्त मेहनत की है। 2019 में, एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए, सरकार ने घरेलू उपभोग सर्वेक्षण के आंकड़ें जारी करने से इंकार कर दिया था,

क्योंकि ये आंकड़ें गरीबी में तेज वृद्धि को दिखा रहे थे। इसके बाद इसने चुनिंदा संकेतकों का उपयोग करके एक बहुआयामी गरीबी सूचकांक तैयार किया, ताकि यह दावा किया जा सके कि गरीबी में तेज गिरावट आई है। इसके साथ ही, राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय को उपभोग सर्वेक्षण की अपनी कार्यप्रणाली को इस तरह से संशोधित करने के लिए कहा गया कि इससे उपभोग के उच्चतम अनुमान प्राप्त हों और इसका उपयोग गरीबी में गिरावट का दावा करने के लिए किया जा सके। इसके बाद उपभोग सर्वेक्षण करने की सुस्थापित कार्यप्रणाली को त्याग दिया गया और एक नई कार्यप्रणाली का उपयोग किया गया, जिसमें उपभोग की विभिन्न वस्तुओं पर आंकड़ें एकत्र करने के लिए प्रत्येक नमूना घर का तीन बार सर्वेक्षण किया गया। इसके परिणामस्वरूप प्रत्येक घर से अधिक संख्या में वस्तुओं की खपत की रिपोर्ट दर्ज की गई, जिससे उपभोग व्यय का समग्र अनुमान बढ़ गया। विश्व बैंक की रिपोर्ट इस तथ्य को पूरी तरह से नज़रअंदाज़ करती है कि 2011-12 और 2022-23 के इन दो सर्वेक्षणों में बहुत अलग-अलग पद्धतियों का इस्तेमाल किया गया था और उनके अनुमान तुलनीय नहीं हैं। लेकिन अब इन दोनों सर्वेक्षणों के अनुमानों की तुलना करके गरीबी में कमी का दावा किया जा रहा है। इसमें सिर्फ़ इतना उल्लेख किया गया है कि "आंकड़ों की सीमाओं के कारण असमानता को कम करके आंका जा सकता है।" रिपोर्ट में इस तथ्य का कोई उल्लेख नहीं किया गया है कि कार्यप्रणाली में बदलाव ऐसे थे कि वे उपभोग व्यय के उच्च स्तर और इस प्रकार गरीबी को कम दिखाने के लिए बाध्य थे। संशोधित उपभोग सर्वेक्षण के साथ-साथ, आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के नाम से रोजगार-बेरोजगारी सर्वेक्षण का एक नया संस्करण भी तैयार किया गया है, जिसमें आर्थिक संकट के कारण पशुपालन जैसी सीमांत गतिविधियों में भाग लेने वाली ग्रामीण महिलाओं को भी रोजगार प्राप्त माना जाता है। यदि किसी अधिक लाभकारी रोजगार अवसर के अभाव में कोई महिला घर में बकरी या गाय पालती है और उसका पालन-पोषण करती है, तो पीएलएफएस उस महिला को रोजगार प्राप्त मानता है। घरेलू उद्यमों में अवैतनिक महिला श्रमिकों को भी रोजगार प्राप्त माना जाता है। ग्रामीण महिलाओं के बीच इस तरह का 'स्व-रोजगार' ही विश्व बैंक के इस आकलन के पीछे है कि "विशेष रूप से महिलाओं के बीच, रोजगार-दर बढ़ रही हैं।" दूसरी ओर, रोजगार के सबसे अनिश्चित रूप -- पैदल चलने वाले निर्माण श्रमिक, गर्मी की तपिश या कड़ाके की ठंड में घंटों साइकिल चलाने वाले खाद्य-वितरण श्रमिक और उब्बर ड्राइवर, जो बिना सोए कई दिनों तक कार चलाते हैं -- शहरी श्रमिकों के विशाल बहुमत के लिए उपलब्ध एकमात्र रोजगार है। भारत की सांख्यिकी प्रणाली, जो कभी देश का गौरव हुआ करती थी, मोदी सरकार द्वारा नष्ट कर दी गई है। देश में सामाजिक-आर्थिक स्थितियों को प्रभावी ढंग से और सटीक रूप से पकड़ने के लिए वैध सांख्यिकीय तरीकों का उपयोग करने के बजाय, यह सरकार के प्रचार को आगे बढ़ाने और देश में गहराते आर्थिक संकट के प्रति सरकार की उदासीनता को छिपाने के लिए फर्जी आंकड़े तैयार करने तक सीमित हो गई है। एक बहुत ही अलग वास्तविकता का सामना करने वाले लोगों का इस सांख्यिकीय झूठ से कभी संबंध स्थापित नहीं होगा। हमें तथ्यों और इस सांख्यिकीय कल्पना के बीच के अंतर को उजागर करना चाहिए और इस जनविरोधी सरकार के खिलाफ अपने अनुभवों के आधार पर लोगों को एकजुट करना चाहिए।

(अनुवादकः संजय पराते)

सिर्फ सफलता नहीं, शिक्षा बने जीवन दृष्टि का आधार

अरुण कुमार

लम्बे समय से भारत में शिक्षा व्यवस्था असमानता और व्यावसायिकता की शिकार बनती दिख रही है। इस माहौल के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा हाल में कोचिंग पर छात्रों की निर्भरता कम करने के लिए कमेटी का गठन सराहनीय कदम ही कहा जाएगा। लेकिन सवाल यह भी है कि कमेटी का गठन महज औपचारिकता बनकर ही रह जाएगा या फिर कोई ठोस सुझावों के साथ बदलाव के सुझाव सामने आएंगे। यह सवाल इसलिए भी क्योंकि हमारे देश में कोचिंग का कारोबार लगातार फल-फूल रहा है। इतना ही नहीं, प्रतियोगी परीक्षाओं में सेंध लगाते हुए कई कोचिंग संस्थान तो सरकारी नौकरियों की भर्ती परीक्षा तक को प्रभावित करने लगे हैं। कोचिंग संस्थानों के जरिए पढ़ाई से न केवल विद्यार्थियों को दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता पर सवाल उठते हैं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक असमानता को पनपाने का बड़ा कारण भी बनता है। यूरोपीय देशों में, विशेष रूप से फिनलैंड, स्वीडन और जर्मनी जैसे देशों में, शिक्षा व्यवस्था समावेशी और

समानता वाली है। इन देशों में स्कूल ही प्राथमिक शिक्षा का केंद्र होते हैं, जहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, आधुनिक पाठ्यक्रम और व्यक्तिगत विकास पर ध्यान दिया जाता है। कोचिंग का कोई अलग सिस्टम नहीं है, क्योंकि स्कूलों में ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती है। अधिकांश यूरोपीय देशों में शिक्षा मुफ्त या न्यूनतम शुल्क पर उपलब्ध है। इसके विपरीत, भारत में पिछले सालों में स्कूली स्तर पर ही शिक्षा प्रणाली कमजोर पड़ चुकी है। मोटी फीस लेने वाले अधिकांश निजी स्कूल भी अक्सर अपर्याप्त शिक्षण प्रदान करते हैं, जिसके चलते अभिभावक और छात्र कोचिंग पर निर्भर हो जाते हैं। यह स्थिति विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में गंभीर है, जहां प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे जेईई, नीट और यूपीएससी की तैयारी के लिए कोचिंग सेंटर के माध्यम से पढ़ाई की अनिवार्यता महसूस होने लगी है। कोचिंग व्यवस्था अमीरों के लिए तो सुलभ है, लेकिन गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए यह बड़ा बोझ बन चुकी है। कोचिंग की ऊंची फीस और बड़े शहरों में रहने की लागत के कारण गरीब परिवारों के बच्चे इस दौड़ से बाहर हो जाते हैं। यह स्थिति भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए चिंताजनक है, जहां संविधान सभी को समान अवसर की गारंटी देता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में शिक्षा सभी के लिए सुलभ होनी चाहिए, लेकिन भारत में बार-बार कमेटियां गठित होने के बावजूद कोई ठोस परिणाम नहीं निकलता। एनसीईआरटी और यूजीसी जैसे संस्थान भी इस दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठा पाए हैं। सरकार को चाहिए कि स्कूली शिक्षा को सशक्त किया जाए। शिक्षक प्रशिक्षण पर निवेश होना चाहिए और प्रतियोगी परीक्षाओं के पाठ्यक्रम को स्कूली कोर्स से जोड़ा जाए। शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास व समाज के लिए योगदान होना चाहिए।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

संक्षिप्त समाचार

श्रद्धा के साथ निकली गई रथ यात्रा भक्ति में डूबा पाकुड़

पाकुड़ प्रशासन सुरक्षा में रहे सुरक्षा तैनात

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ सदियों पुरानी परंपरा को संजोते हुए शुक्रवार को भगवान मदन मोहन और राधारानी की भव्य रथ यात्रा पूरे हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। मुगल काल से चली आ रही इस ऐतिहासिक यात्रा की शुरूआत राजापाड़ा स्थित मदन मोहन मंदिर में विधिपूर्वक पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद भगवान को अष्टधातु से निर्मित सुसज्जित रथ पर विराजमान कर कालीबाड़ी मैदान से यात्रा की शरूआत की गई। रथ पर सवार होते ही श्रद्धालु ह्लजय मदन मोहनह्व और ह्लराधारानी की जयह्व के उद्घोष से माहौल भक्तिमय कर दिए। पंडित भारत भूषण की अगुवाई में राजपरिवार और सत्य सनातन संस्था के सदस्य रथ यात्रा में शामिल हुए। यात्रा हाटपाड़ा, भगतपाड़ा होते हुए पुनः कालीबाड़ी मैदान पहुंची, जहां से भगवान को मौसीबाड़ी (रंगमहल) ले जाया गया। वहां आठ दिनों तक भगवान बलभद्र विश्राम करेंगे।

सुरक्षा चाक-चौबंद, ड्रोन से रखी गई नजर

रथ यात्रा के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। नगर थाना प्रभारी प्रयाग दास की अगुवाई में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। भीड़ पर नजर रखने के लिए ड्रोन कैमरे से निगरानी की गई।

रजवाड़ी मैदान में एक महीने तक चलेगा मेला

रथ यात्रा के अवसर पर नगर थाना के सामने रजवाड़ी मैदान में एक माह का विशाल मेला शुरू हुआ। यहां झूले, ब्रेक डांस, मिनी रेल, जादू, मीना बाजार से लेकर बच्चों और बड़ों के लिए भरपूर मनोरंजन के साधन मौजूद हैं। ₹10 से खरीदारी शुरू हो जाती है और प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क है।

निशुल्क पेयजल की व्यवस्था

श्री सत्य साई सेवा संगठन और इसाफ की ओर से दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं के लिए शीतल पेयजल की निःशुल्क व्यवस्था की गई, जिससे श्रद्धालु संतुष्ट नजर आए। यह रथ यात्रा न सिर्फ आस्था का प्रतीक है, बल्कि पाकुड़ की सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रमाण भी बन चुकी है।

डिग्री के साथ प्रमाणपत्र भी बनेंगे करियर की सीढ़ी: इग्नू बैठक में विशेषज्ञों की राय

देवघर।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के जुलाई सत्र 2025 में नामांकन को लेकर शुक्रवार को जसीडीह-देवघर मुख्य मार्ग पर स्थित स्टूडेंट लाइब्रेरी 2.0 में एक प्रमोशनल बैठक का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम इग्नू अध्ययन केंद्र, कोड 87012, डॉ. जगन्नाथ मिश्रा महाविद्यालय, जसीडीह की ओर से आयोजित किया गया। बैठक में मुख्य रूप से अध्ययन केंद्र के समन्वयक डॉ. रामकृष्ण चौधरी, सहायक समन्वयक अनंत कुमार सिन्हा, परशुराम प्रसाद राय, चंद्र किशोर चौधरी, महादेव पंडित, एवं उमेश प्रसाद यादव उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।इस अवसर पर समन्वयक डॉ. रामकृष्ण चौधरी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि इग्नू द्वारा संचालित मूल्यवर्धित डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स युवाओं को न केवल शिक्षित करते हैं, बल्कि स्नातक व स्नातकोत्तर के बाद उन्हें नौकरी की दिशा में भी दक्ष बनाते हैं। उन्होंने कहा कि ये कोर्स छात्रों को बहुआयामी कौशल प्रदान कर सरकारी और निजी क्षेत्र में अवसर दिलाने में मदद करते हैं। सहायक समन्वयक अनंत कुमार सिन्हा ने छात्रों को सलाह दी कि वे अपने अध्ययन काल में पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ नवीन कार्यक्रमों से जुड़ें और प्रमाणपत्र अर्जित करें। इससे वे भीड़ से अलग पहचान बना पाएंगे और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं एवं नियुक्तियों में लाभ उठा सकेंगे। इस आयोजन को सफल बनाने में शुभा देवी मेमोरियल ट्रस्ट के निदेशक हिमांशु कुमार देव की अहम भूमिका रही। विदित हो कि श्री देव का इग्नू संस्थान से पुराना जुड़ाव रहा है और हाल ही में आयोजित 2025 के इग्नू दीक्षांत समारोह में उन्हें इग्नू द्वारा दो विषयों में डिग्री व प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है। बैठक में उपस्थित छात्रों ने कार्यक्रम को उपयोगी और प्रेरणादायक बताया तथा इग्नू के विभिन्न कार्यक्रमों में नामांकन हेतु रुचि दिखाई।

नेपाल में पूर्णिया की तीन शातिर महिला गिरफ्तार, बुजुर्गों को बनाती थी अपना निशाना,तीन लाख नगद बरामद

अररिया, ।

सीमा पार नेपाल के विराटनगर में नेपाली पुलिस ने पूर्णिया की तीन शातिर महिलाओं को शुक्रवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इन महिलाओं के पास से नगद तीन लाख नेपाली रुपए बरामद किए। यह राशि नेपाल के कटहरी निवासी 70 वर्षीय नारायण प्रसाद काफ्ले के पास से चोरी की गई थी। नेपाल मोरंग जिला पुलिस कार्यालय के सूचना अधिकारी सह डीएसपी कोपिला चुड़ाल ने इस बात की पुष्टि की है। जिला पुलिस कार्यालय मोरंग के सूचना अधिकारी सह डएसपी कोपिला चुड़ाल के अनुसार,विराटनगर के बाजार क्षेत्र में भाड़े के सवारी साधन में सवार असहाय और वृद्ध बुढ़ा और बूढ़ी के साथ नगद और जेवरात चोरी में गिरोह सक्रिय था। पिछली कई घटना के सीसीटीवी फुटेज संकलन के आधार पर इन महिलाओं की नेपाल पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही थी।आखिरकार फिर से पूर्णिया से जोगबनी के रास्ते विराटनगर पहुंचने पर तीनों शातिर महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार की गई महिला की पहचान पूर्णिया निवासी 24 वर्षीय प्रियंका धामी, 25 वर्ष की बिहोला धामी और 20 वर्ष की अटकारी धामी के रूप में हुई है । इन लोगो के पास से एक हजार के तीन नोट के बंडल कुल तीन लाख रुपये भी बरामद होने की बात डीएसपी ने कही। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार की गई महिला के द्वारा कटहरी निवासी 70 वर्षीय नारायण प्रसाद काफ्ले के पास से आज रुपए चोरी करने की बात पुलिस ने कही। सिटी सफारी में यात्रा कर रहे नारायण प्रसाद काफ्ले के साथ में रहे झोला से गिरफ्तार महिलाओ ने नगद राशि निकाल ली थी।

साहिबगंज की हरियाली वापस लाने के लिए प्रयास शुरू,76वां वन महोत्सव पर लगाए जाएंगे 25 हजार पौधे

जिला में 7 लाख पौधा लगाने का लक्ष्य

साहिबगंज:

वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से शुक्रवार को तालझरी प्रखंड अंतर्गत बड़ा दुगार्पुर पंचायत में 76वां वन महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजमहल सांसद श्री विजय हांसदा, वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री प्रबल गर्ग , उप विकाश आयुक्त श्री सतीश चंद्रा ने नन्हें पौधे को सिंच कर व पौधा लगा कर वन महोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों ने वन महोत्सव व पौधरोपण के महत्व बताए।कार्यक्रम के दौरान राजमहल सांसद विजय हांसदा ने कहा कि पर्यावरण में तब्दीलियां आ रही हैं। पेड़ों की कटाई से बेमौसम बरसात, भीषण गर्मी, मौसम में परिवर्तन, जलस्तर का नीचे जाना जैसे कई पर्यावरणीय परिवर्तन तेजी से हुए हैं। ऐसी जितनी भी समस्या आ रही है, उसके समाधान के किये सिर्फ सरकार ही नहीं बल्कि एक-एक व्यक्ति को मिलकर काम करना होगा। एक-एक गांव में पौधरोपण करना होगा। रक्षा सूत्र बांध पेड़ों के संरक्षण का संकल्प लेना होगा और नए पौधे भी लगाने होंगे। इसके लिए सरकार भी मदद कर रही है। लोग अपने स्तर से भी आगे आए। हर व्यक्ति अगर अपने अपने स्तर से पौधारोपण करे तो न सिर्फ हमारा जिला हरा भरा रहेगा बल्कि हम जलवायु परिवर्तन के अनेकों प्रभावों से बच सकेंगे।वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग ने कहा कि वन महोत्सव, वन बचाने की दिशा में एक प्रयास है। अगर हम सभी अपने अपने स्तर से वृक्षारोपण करें तो निश्चय ही यह प्रयास सफल हो सकेगा। प्रशासन के सभी विभागों

के साथ मिलकर पौधरोपण का कार्य किया जा रहा है। सभी विभाग समन्वय के साथ काम कर रहे हैं। ताकि जिला की हरियाली बहाल की जा सके।उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा ने कहा हमारे जीवन के लिए पेड़-पौधे अनमोल है, जो हमारे लिए शुद्ध हवा देते हैं। इसलिए लोग पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें और पेड़ों को बचाने के लिए अपनी-अपनी भूमिका निभाएं। जिला में विकास के कार्य जोर शोर से चल रहे हैं। लेकिन सबसे जरूरी जिला में पर्यावरण संरक्षण है। चूंकि पर्यावरण ही नहीं बचेगा तो विकास के काम भी धरातल पर नहीं उतर पाएंगे। उसी का मिला जुला प्रयास है कि जिला प्रशासन व वन विभाग मिल कर एक संदेश दे रहा है कि विकास के कार्यों के अलावे पेड़-पौधों का संरक्षण जरूरी है।कार्यक्रम के दौरानसासंद विजय हांसदा, डीएफओ प्रबल गर्ग, डडीसी सतीश चंद्रा ने संयुक्त रूप से लाभुकों को विभिन्न कल्याणकारी से लाभांवित किया। इस दौरान अबुआ आवास योजना, जन-मन योजना, मंईयां सम्मान योजना, कल्याण विभाग, मनरेगा योजना के बिरसा हरित ग्राम योजना , मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, सावित्रीबाई फुले योजना के साथ बालविकास परियोजना की ओर से अतिथियों ने नवजात बच्चों का अन्नप्रासन कर गोद भराई की।इसी दौरान सासंद विजय हांसदा, डीएफओ प्रबल गर्ग, डडीसी सतीश चंद्रा ने महुआ के वृक्ष में रक्षा सूत्र बांधा , पौधरोपण भी किया।मौके पर वन क्षेत्र पदाधिकारी पंचम दुबे, डीपीओ नमामि गंगे अमित मिश्रा , प्रभारी वनपाल राणा रंजीत चौधरी ,बीडओ सह सीओ राम सुमन प्रसाद, बीपीओ रजनीश परशर, जेई मिथलेश कुमार, थाना प्रभारी मृत्युंजय पाण्डेय, जिला पशुपालन पदाधिकारी दिनेश सिंह,वनरक्षी पप्पू यादव, प्रेम कुमार , राजेश टुडू , सुनील कुमार , अमित कुमार , सनी रजक , अंकित झा , इंद्रजीत भारती , अखलेश मरांडी आवास कोर्डिनेटर मो इम्तियाज, सीडीपीओ सहित अन्य विभागों के पदाधिकारी व कर्मी मौजूद थे।

राजसी ठाठ और श्रद्धा के संग निकली रथ यात्रा, सुरक्षा में तैनात रहा प्रशासन, भक्ति में डूबा पाकुड़

राजपरिवार की अगुवाई में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, रंगमहल में 8 दिन करेंगे विश्राम

सुस्मित तिवारी आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़। सदियों पुरानी परंपरा को संजोते हुए शुक्रवार को भगवान मदन मोहन और राधारानी की भव्य रथ यात्रा पूरे हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। मुगल काल से चली आ रही इस ऐतिहासिक यात्रा की शुरूआत राजापाड़ा स्थित मदन मोहन मंदिर में विधिपूर्वक पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद भगवान को अष्टधातु से निर्मित सुसज्जित रथ पर विराजमान कर कालीबाड़ी मैदान से यात्रा की शरूआत की गई। रथ पर सवार होते ही श्रद्धालु ह्लजय मदन मोहनह्व और ह्लराधारानी की जयह्व के उद्घोष से माहौल भक्तिमय कर दिए। पंडित भारत भूषण की अगुवाई में राजपरिवार और सत्य सनातन संस्था के सदस्य रथ यात्रा में शामिल हुए।

यात्रा हाटपाड़ा, भगतपाड़ा होते हुए पुनः कालीबाड़ी मैदान पहुंची, जहां से भगवान को मौसीबाड़ी (रंगमहल) ले जाया गया। वहां आठ दिनों तक भगवान बलभद्र विश्राम करेंगे।

सुरक्षा चाक-चौबंद, ड्रोन से रखी गई नजर

रथ यात्रा के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। नगर थाना प्रभारी प्रयाग दास की अगुवाई में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। भीड़ पर नजर रखने के लिए ड्रोन कैमरे से निगरानी की गई।

रजवाड़ी मैदान में एक महीने तक चलेगा मेला

रथ यात्रा के अवसर पर नगर थाना के सामने रजवाड़ी मैदान में एक माह का विशाल मेला शुरू हुआ। यहां झूले, ब्रेक डांस, मिनी रेल, जादू, मीना बाजार से लेकर बच्चों और बड़ों के लिए भरपूर मनोरंजन के साधन मौजूद हैं। 10 से खरीदारी शुरू हो जाती है और प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क है।

निशुल्क पेयजल की व्यवस्था

श्री सत्य साई सेवा संगठन और इसाफ की ओर से दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं के लिए शीतल पेयजल की निःशुल्क व्यवस्था की गई, जिससे श्रद्धालु संतुष्ट नजर आए। यह रथ यात्रा न सिर्फ आस्था का प्रतीक है, बल्कि पाकुड़ की संस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रमाण भी बन चुकी है।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किया मंडल कारा का औचक निरीक्षण

साहिबगंज:

झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निदेर्शानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष अखिल कुमार ने शुक्रवार को साहिबगंज स्थित मंडल कारा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जेल परिसर के विभिन्न बैरकों का दौरा करते हुए बंदियों से संवाद कर उनकी समस्याएं विस्तार से सुनीं।निरीक्षण के दौरान न्यायाधीश ने बंदियों के स्वास्थ्य, चिकित्सा सुविधा, भोजन, पेयजल आपूर्ति तथा न्यायिक मामलों में अधिवक्ता की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो बंदी आर्थिक कारणों से अधिवक्ता नियुक्त नहीं कर सकते, उन्हें विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराया जाएगा ताकि उन्हें न्यायिक प्रक्रिया में समुचित कानूनी सहायता मिल सके।स्वच्छता और चिकित्सा सुविधाओं पर दिया विशेष

बल। कुमार ने जेल परिसर विशेषकर शौचालयों की स्वच्छता को लेकर सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कारा प्रशासन को बीमार बंदियों के लिए बेहतर चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करने का सुझाव भी दिया।महिला बैरक का भी किया निरीक्षण।न्यायाधीश ने महिला बैरक का भी निरीक्षण किया और महिला बंदियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने जेल अधीक्षक को निर्देशित किया कि महिला एवं पुरुष सभी बंदियों के लिए नियमित रूप से प्रेरणादायक, शिक्षापरक और रोजगारपरक प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जाए, जिससे वे जेल से रिहा होने के बाद आत्मनिर्भर जीवन जी सकें।जांचे पुस्तकालय, रसोई और भोजन की गुणवत्ता।निरीक्षण के क्रम में न्यायाधीश ने जेल में संचालित पुस्तकालय, रसोईघर और भोजन की गुणवत्ता का भी अवलोकन किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि जेल मैनुअल के तहत बंदियों को मिलने वाली सभी सुविधाएं समय पर और समुचित रूप से उपलब्ध कराई जाएं और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।यह जीवन का अंत नहीं है, आत्मचिंतन कर सुधरें न्यायाधीश।बंदियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, आप सभी आज किसी न किसी कारणवश यहां हैं, लेकिन यह आपके जीवन का अंत नहीं है। आत्मचिंतन करें, जीवन में सुधार लाएं और समाज में एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में लौटें।उन्होंने जेल प्रशासन को मानसिक और नैतिक सुधार हेतु नियमित रूप से प्रेरणा एवं जागरूकता कार्यक्रम चलाने का निर्देश दिया, ताकि बंदियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में सहायता मिल सके।इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव श्री विश्वनाथ भगत, जेल अधीक्षक चंद्रशेखर सुमन, जेलर मनोज मुर्मू, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री अरविंद गोयल समेत उनकी टीम एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

कलाकार ओमप्रकाश सोनू के डॉक्टरेट की मानद उपाधि से अलंकृत होने पर स्वागत

अररिया, ।

बिहार के जाने माने लोक नाट्य कलाकार ओमप्रकाश सोनू को कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान को लेकर ग्लोबल यूनिवर्सिटी ऑफ बोस्टन के द्वारा यू हे डॉक्टरेट की मानद उपाधि से अलंकृत किया गया। यह सम्मान उन्हें गोवा शहर के सी बिच स्थित सभागार में आयोजित भव्य कार्यक्रम में दिया गया।यूनिवर्सिटी ने डॉक्टरेट की उपाधि के साथ प्रशस्ति पत्र,मेडल, गाउन आदि प्रदान कर सम्मानित किया।कार्यक्रम में भारत के विभिन्न प्रांतों के साथ अमेरिका,अफ्रीका,श्री लंका सहित कई देशों के लोगों ने शिरकत की थी। डॉक्टरेट की उपाधि से अलंकृत होने के बाद ओमप्रकाश सोनू के अररिया आगमन पर शुक्रवार को नगर परिषद के उपाध्यक्ष गौतम कुमार साह,जस्टिस जुवेनाइल बोर्ड के सदस्य दीपक कुमार वर्मा रिंकू,विकाश कुमार झा,पार्षद प्रतिनिधि डब्लू झा,अभिषेक कुमार आदि ने श्री सोनू को बुके और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और इसे अररिया की धरती के लिए अतुल्य करार दिया।

हरिकनक ग्रेटर क्लब ने आयोजित की फ्री मेडिकल कैंप

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर की ओर से रातु किला परिसर मे निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन क्लब के वरीय पदाधिकारी लायन अमित कुमार मिश्रा के अध्यक्षता मे आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि रातु किला की राजकुमारी माधुरी मंजरी,अनुराधा शहदेव एवं रचना शाहदेव ने संयुक्त रूप से रीबन काटकर किया।इस मौके पर पूर्व उप महापौर अजयनाथ शाहदेव,किला के पृथ्वी नाथ शाहदेव,छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा विशिष्ठ अतिथि के रूप में मौजूद थे। द्वारिका हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर महिलौंग रांची के निदेशक डॉ.एस.के.निराला,डॉ.एंटोनी किस्कू,डॉ.आर.के.हाजरा, डॉ.ललित किशोर डेंटल, डॉ.बी.के.शर्मा, डॉ.अनुज कुमार पटेल, ने मरीजों के सभी प्रकार की बीमारियां के साथ साथ ब्लड प्रेशर,शुगर,थायरायड आदि की भी निःशुल्क जांच की और बरसात मौसम मे होने वाली बीमारियों से बचने की सलाह भी दिए। संस्था की ओर से मेले मे कपड़े की थैली,पौधा,सैनिटरी पैड, विटामीन की गोली,सिरप आदि वितरण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने मे मुख्यरूप से,हरिकनक ग्रेटर क्लब,छात्र क्लब चिकित्सक मंच (यूनिट,छात्र क्लब ग्रुप),विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच,आस्था जीवन,कपिल फाउंडेशन आदि संस्था के प्रतिनिधि विनोद कुमार साहू,लायन प्रेम शंकर मिश्रा,लायन राजेश केडिया, लायन अंकित सर्राफ,लायन साकेत अग्रवाल लायन अमित कुमार मिश्रा,लायन डॉ.दीपक कुमार,संतोष कुमार श्रेयांश,लीगल एडवाइजर अधिवक्ता सोनाली भट्टाचार्य, विजय कुमार पाठक,दीपक कुमार साहू,रोहित कुमार, कृष्णा कुमार साहू,कुमारी शीला,पिया बर्मन,वीणा श्री,दिवा पासवान,अजय कुमार चौधरी, राजकिशोर राणा,प्रियंका चौधरी,सुबोध कुमार शर्मा,रवींद्र कुमार शर्मा,ब्रजेश कुमार भारती,सागर कुमार,दामोदर मिश्रा एवं द्वारिका हॉस्पिटल की सिस्टर सपना साव,काजल कुमारी आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आगामी हूल दिवस के अवसर पर पाकुड़ झामुमो ने जनआंदोलन पर्व मनाने का लिया गया निर्णय, निकली जायेगी भव्य पदयात्रा

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ झारखंड मुक्ति मोर्चा ने पाकुड़ प्रखंड अंतर्गत शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित कर आगामी 30 जून को हूल दिवस को ऐतिहासिक और जनसामान्य की भागीदारी वाला बनाने का संकल्प लिया। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष मुस्लेउद्दीन शेख ने की। इस अवसर पर यह निर्णय लिया गया कि 30 जून की सुबह 9:00 बजे कार्यकर्ता और आमजन बड़ी संख्या में पाकुड़ के पुराने सदर अस्पताल परिसर में एकत्र होंगे, जहां से सिद्धू-कान्हू पार्क तक एक संगठित पदयात्रा निकाली जाएगी। पार्क में स्थित सिद्धू-कान्हू की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी। झामुमो के जिला उपाध्यक्ष पीटर हसदा और केंद्रीय समिति के सदस्य उमर फारूक ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि, हूल दिवस केवल इतिहास नहीं, हमारी अस्मिता, संघर्ष और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। हमें इसे जन-जन का उत्सव बनाना है।ह्ननेताओं ने कार्यकताओं से अपील की कि वे गांव-गांव जाकर लोगों को इस कार्यक्रम में शामिल करें और सिद्धू-कान्हू की बलिदान गाथा को घर-घर तक पहुँचाएं। इस बैठक में प्रखंड सचिव राजेश सरकार, उपाध्यक्ष राम सिंह टुडू, अजफारुल शेख, इस्माइल शेख, सत्तर शेख, खैरुल आलम, मुकलेसुर रहमान, अमीरुल शेख, आलमगीर आलम, लखन मुखिया, प्रदीप कुमार, मुशर्रफ हुसैन, पतरस मरांडी, प्रकाश मरांडी, प्रकाश सिंह, मुबारक हुसैन, हैदर अली, हुसैन शेख, असरफुल शेख, मिस्कतुल शेख, रोजीबुल शेख, चंदन भंडारी, जमीरुल शेख, अब्दुल मलिक, लालचंद शेख, बुलाई सोरेन, भारत मरांडी, विजय किस्कू, हलीम अंसारी, अली अकबर, अली शेख, अंसारुल शेख, बारीक शेख समेत सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारतीय अंतरराष्ट्रीय परिधान मेला एक जुलाई से

एजेंसी

नई दिल्ली। एशिया के सबसे बड़े परिधान मेले - भारतीय अंतरराष्ट्रीय परिधान मेले का 73 वां संस्करण एक जुलाई से राष्ट्रीय राजधानी में आरंभ होगा जिसमें 79 देशों में प्रतिनिधि शामिल होंगे। मेला आयोजकों ने यहां बताया कि ये मेला तीन जुलाई तक चलेगा। मेले का उद्घाटन कपडा एवं विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा करेंगे। यह एशिया का सबसे बड़ा परिधान मेला है जो छोटे कारोबारी और खरीदार शामिल होते हैं। मेले का आयोजन परिधान निर्यात संवर्धन परिषद,अंतर्राष्ट्रीय परिधान मेला एसोसिएशन, परिधान निर्यातक एवं निर्माता संघ, भारतीय वस्त्र निर्माता संघ, गारमेंट एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान मिलकर कर रहे हैं। मेले में 79 देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं जिनमें अमेरिका, कनाडा, ब्राज़ील, कोलंबिया, चिली, अर्जेंटीना, ब्रिटेन, स्पेन, यूनान, इटली, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड, तुर्की, जापान, संयुक्त अरब अमीरात, थाईलैंड, इजरायल, कुवैत, मलेशिया, श्रीलंका, सऊदी अरब, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, रूस प्रमुख देश हैं। इस मेले में 12 राज्यों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे, जिनमें दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, हरियाणा हैं। मेले में फैशन शो के अलावा लगभग 21,200 वर्ग मीटर में एक प्रदर्शनी का आयोजन भी होगा।

रुपया 34 पैसे उछला

मुंबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ब्याज दरों में तेज कटौती के लिए फेडरल रिजर्व में संभावित नेतृत्व परिवर्तन करने को लेकर जारी अटकलों से दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के तीन साल के निचले स्तर तक लुढ़कने की बदौलत आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 34 पैसे की छलांग लगाकर 85.75 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 86.09 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया 18 पैसे की मजबूती के साथ 85.91 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान आयातकों एवं बैंकों की डॉलर बिकवाली होने से 85.63 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, लिवाली होने से यह 85.94 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 85.75 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 34 पैसे की छलांग लगाकर 85.75 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार, डॉलर तीन साल के निचले स्तर पर आ गया जबकि वैश्विक शेयर बाजारों ने बीते तीन दिनों में दूसरी बार नया रिकॉर्ड उच्च स्तर हासिल किया। इसकी वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व में संभावित नेतृत्व परिवर्तन को लेकर अटकलें बताई जा रही हैं।

पाकिस्तान से आयातित 9 करोड़ के 1,115 टन माल वाले 39 कंटेनर जब्त

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने पाकिस्तान में तैयार की गई सामग्रियों के अन्य देशों, मुख्य रूप से दुबई, संयुक्त अरब अमीरात के रास्ते से अवैध आयात को लक्षित करते हुए ऑपरेशन डीप मैनिफेस्ट नामक एक अभियान में अब तक लगभग 9 करोड़ रुपये मूल्य के 1,115 टन माल ले जाने वाले 39 कंटेनर जब्त किए गए हैं और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।पहलगाम आतंकी हमलों के बाद सरकार ने 2 मई, 2025 से पाकिस्तान से आने वाले या वहां से निर्यात किए जाने वाले माल के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात या पारगमन पर व्यापक प्रतिबंध लगा दिया था। पहले, ऐसे माल पर 200 प्रतिशत सीमा शुल्क लगता था। इन कड़े उपायों के बावजूद, कुछ आयातक माल की उत्पत्ति के बारे में गलत जानकारी देकर और संबंधित शिपिंग दस्तावेजों में हेराफेरी करके सरकारी नीति को दरकिनार करने का प्रयास करते हैं जो आयात नीति की शर्तों और पाकिस्तान में तैयार की गई सामग्रियों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात या पारगमन पर सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का उल्लंघन है। आयात करने वाली एक फर्म के एक भागीदार को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया। दो अलग-अलग मामलों में, ये खेप न्हावा शेवा बंदरगाह पर जब्त की गई थी। इन खेपों को गलत तरीके से संयुक्त अरब अमीरात से आयातित बताया गया था, जबकि इन सामग्रियों को मूल रूप से पाकिस्तान में तैयार किया गया था।

फोनपे और एचडीएफसी बैंक का को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड

नई दिल्ली । फोनपे ने एचडीएफसी बैंक के साथ मिलकर 'फोनपे एचडीएफसी बैंक को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड' लॉन्च करने की घोषणा की है। यह को-ब्रांडेड कार्ड सेगमेंट में फोनपे का पहला कदम है। एचडीएफसी बैंक के साथ मिलकर रुपे क्रेडिट कार्ड्स पर यह सीरीज भारतीय ग्राहकों की बदलती वित्तीय ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई है, खासकर फोनपे प्लेटफॉर्म पर यूपीआई से की जाने वाली खर्चों पर शानदार फ़ायदे देती है। एचडीएफसी बैंक और फोनपे की यह रणनीतिक पार्टनरशिप, दोनों की बैंकिंग और फिनटेक ताक़त का बेहतरीन उपयोग कर, क्रेडिट कार्ड्स को ज्यादा आसान और यूजर-फ्रेंडली बनाती है। अल्टीमो और यूनो वेरिएंट में उपलब्ध ये कार्ड रिचार्ज, बिल पेमेंट, ट्रैवेल, ऑनलाइन शॉपिंग, किराने का सामान और कैब जैसे लोकप्रिय खर्चों के कैटेगरी पर रिवॉर्ड्स देते हैं। साथ ही, कार्ड यूपीआई के साथ भी आसानी से इंटीग्रेट हो जाते हैं।

वैश्विक अनिश्चितताएं बढ़ने के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत - आरबीआई

एजेंसी

नई दिल्ली । हाल ही में जारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मासिक आर्थिक बुलेटिन के अनुसार, मई 2025 के लिए वैश्विक अनिश्चितता के बीच अलग-अलग हाई-फ्रिक्वेंसी इंडीकेटर्स भारत में औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में मजबूत आर्थिक गतिविधि की ओर इशारा करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कृषि ने 2024-25 के दौरान अधिकांश प्रमुख फसलों के उत्पादन में व्यापक आधार पर वृद्धि दर्ज की। घरेलू कीमतों की स्थिति सौम्य बनी हुई है और मई में लगातार चौथे महीने हेडलाइन मुद्रास्फीति लक्ष्य से नीचे रही। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वित्तीय स्थितियां ऋण बाजार में दरों में कटौती के ट्रांसमिशन की सुविधा के लिए अनुकूल बनी हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिर स्थिति में है, जो व्यापार नीति अनिश्चितताओं

और भू-राजनीतिक तनावों में वृद्धि के दोहरे झटकों से जूझ रही है। हालांकि, घरेलू मोर्चे पर, मई में जारी अनंतिम अनुमानों ने 2024-25 में भारत की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने की पुष्टि की है, जिसमें चौथी तिमाही में महत्वपूर्ण क्रमिक वृद्धि हुई। मई के लिए अलग-अलग हाई-फ्रिक्वेंसी इंडिकेटर्स औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में मजबूत आर्थिक गतिविधि के संकेत देते हैं। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) के लिए सर्वे किए गए देशों में भारत में गतिविधि में समग्र विस्तार सबसे अधिक रहा, जिसमें मई में देखे गए नए निर्यात ऑर्डर में विस्तार अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में देखे गए कॉन्ट्रेक्शन के बीच एक अपवाद था। मई के लिए कुल मांग के हाई-फ्रिक्वेंसी इंडिकेटर्स ने भी ग्रामीण मांग में वृद्धि का सुझाव दिया। कंज्यूमर सेंटीमेंट के दूरदर्शी सर्वेक्षण वर्तमान अवधि के लिए स्थिर उपभोक्ता विश्वास और भविष्य के बारे में बेहतर आशावाद दिखाते हैं। आरबीआई बुलेटिन में कहा गया है कि वैश्विक आर्थिक, व्यापार और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद ये सभी भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दिखाते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, घरेलू मुद्रास्फीति सौम्य बनी हुई है और मई में लगातार चौथे महीने हेडलाइन मुद्रास्फीति लक्ष्य से नीचे रही। 2024-25 के कृषि सत्र में रिकॉर्ड घरेलू फसल उत्पादन खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति में तेज और निरंतर कमी का संकेत दे रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, अस्थिर और ऊंचे सोने और चांदी की कीमतों के प्रभाव को छोड़कर कुछ नरमी के संकेतों के साथ स्थिर कोर मुद्रास्फीति यह दर्शाती है कि अंतर्निहित मुद्रास्फीति दबाव शांत बना हुआ है।

वित्त मंत्री ने गिफ्ट सिटी और आईएफएससीए के बाजार सहभागियों के साथ बैठक की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुजरात में गिफ्ट सिटी और आईएफएससीए में बाजार सहभागियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। वित्त मंत्री कार्यालय की तरफ से जारी बयान में बताया गया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्रमुख बैंकों, बीमा कंपनियों, वित्त कंपनियों, फंड प्रबंधन, पूंजी बाजार, ब्रोकर और भुगतान सेवा प्रदाताओं, आईटीएफ, विमान पट्टे, जहाज पट्टे, बीएटीएफ सेवाओं, टेकफिन कंपनियों और उच्च शिक्षा सहित 20 से अधिक बाजार सहभागियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में गुजरात के वित्त मंत्री कनुभाई देसाई, केंद्रीय वित्त सचिव और डीईए सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के विशेष सचिव, रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर, आईआरडीएआई के कार्यवाहक अध्यक्ष, गिफ्ट सिटी और आईएफएससीए के अध्यक्ष और वित्त मंत्रालय और गुजरात सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया।

फॉक्सकॉन की भारत में बड़े निवेश की तैयारी, सप्लाई चेन का करेगी विस्तार

एजेंसी

नई दिल्ली । ताइवानी दिग्गज कंपनी होन हाई प्रेसिजन इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड (फॉक्सकॉन) को ताइवान की सरकार से भारत और अमेरिका में 2.2 अरब डॉलर की राशि निवेश करने की मंजूरी मिल गई

फॉक्सकॉन को मंजूरी ऐसे समय पर मिली है, जब वह चीन से बाहर अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं का तेजी से विस्तार कर रहा है। भारत सरकार की मेक इन इंडिया और पीएलआई जैसी पहल बड़ी संख्या में विदेशी इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को आकर्षित करने में सफल रही हैं और इससे देश में तेजी से मैन्युफैक्चरिंग बढ़ी है और रोजगार के अवसर भी पैदा हुए हैं। फॉक्सकॉन को भारत और अमेरिका में 2.2 अरब डॉलर से अधिक की दो महत्वपूर्ण निवेश योजनाओं के लिए विनियामक अनुमोदन प्राप्त हुआ है। फोकस ताइवान की एक रिपोर्ट के अनुसार, मिनिस्ट्री ऑफ इकोनॉमिक अफेयर्स (एमओईए) के तहत आने वाले डिपार्टमेंट ऑफ इन्वेस्टमेंट रिव्यू ने इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग

दिग्गज की निवेश योजना को मंजूरी दे दी है। डिपार्टमेंट ने कंपनी की सहायक कंपनी फॉक्सकॉन सिंगापुर पीटीई लिमिटेड में पूंजी बढ़ाने के उद्देश्य से 1.49 अरब डॉलर के निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। कंपनी की सिंगापुर स्थित यह इकाई, युजान टेक्नोलॉजी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड में निवेश करेगी, जो भारत में फॉक्सकॉन की सब्सिडियरी के तहत काम करने वाली एक अन्य इकाई है। प्रमुख ऐप्पल आईफोन मैन्युफैक्चरिंग कंपनी ने अपने भारतीय ऑपरेशंस में 1.48 अरब डॉलर (लगभग 12,800 करोड़ रुपए) का निवेश किया है। यह वर्तमान में स्मार्टफोन डिस्प्ले मॉड्यूल को असेंबल करने के लिए श्रीपेरंबुदूर में एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित कर रही है।

फ्लिपकार्ट ने बढ़ाया समावेश, ई-कॉमर्स तक पहुंच को दिया और विस्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत का घरेलू ई-कॉमर्स मार्केट प्लेस फ्लिपकार्ट विक्रेताओं एवं ग्राहकों के लिए विकास आधारित प्लेटफॉर्म को लगातार बढ़ावा दे रहा है। ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट अब सिर्फ एक ट्रांजेक्शन नहीं, बल्कि छोटे व्यापारियों के लिए बदलाव का प्लेटफॉर्म भी बना रहा है। कंपनी के जनवरी 2025 से शुरू हुए सेलर सपोर्ट प्रोग्राम ने पहली बार जुड़ने वाले उद्यमियों को शुरुआती 60 दिन में गाइड किया है, जिससे नए सेलर्स की सफलता 2.3 गुना बढ़ी है। विशेषकर टियर-2 और टियर-3 शहरों में इसका बड़ा असर दिखा है। फ्लिपकार्ट ने जारी बयान में कहा कि वो ऐसा ईको सिस्टम बना रहे हैं, जहां हर साइज का बिजनेस आत्मविश्वास के साथ बढ़ सके। कंपनी ने कहा कि आसान ऑनबोर्डिंग सपोर्ट, बेहतर प्रोडक्ट डिस्कवरी और आसान प्राइसिंग प्रोसेस तक, सभी पहल को विशेष रूप से पहली बार ऑनबोर्ड हो रहे सेलर्स के लिए ऑनलाइन बिजनेस को ज्यादा सुगम, पारदर्शी एवं रिवार्डिंग बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। कंपनी ने बताया कि नए सेलर सक्सेस प्रोग्राम के माध्यम से कुछ आसान टूल्स उपलब्ध कराए जाते हैं, जिनसे शुरुआती स्तर पर सेलर्स की सफलता सुनिश्चित होती है। कंपनी ने कहा कि इससे ई-कॉमर्स की पहुंच को विस्तार देने और देशभर में सभी सेलर्स के लिए विकास के समान अवसर सृजित करने के फ्लिपकार्ट के विजन को और मजबूती मिली है। साल दर साल नए सेलर्स की सफलता देशभर में कारोबारियों एवं ग्राहकों के लिए प्लेटफॉर्म की ओर से किए गए इन प्रयासों के प्रभाव को रेखांकित करती है। सेटलमेंट बेस्ड प्राइसिंग और आसान ऑनबोर्डिंग जैसे टूल्स से हजारों सेलर्स ने पिछले साल के मुकाबले दोगुना ग्रोथ पाई है। सेलर्स को अपने कारोबार को सतत तरीके से विस्तार देने में सक्षम बनाने के लिए फ्लिपकार्ट ने नए एवं ट्रेंडिंग प्रोडक्ट्स के लिए सेलेक्शन डिस्कवरी को भी बेहतर किया है। इस तरह की विभिन्न पहल के दम पर हजारों सेलर्स ने पिछले साल के मुकाबले अपने कारोबार में दोगुने से ज्यादा का विकास दर्ज किया है। कंपनी ने कहा कि इन बदलावों से कारोबार करने की उनकी लागत कम हुई है और सेलर्स को अपना लाभ बढ़ाने में मदद मिली है। फ्लिपकार्ट के सीनियर डायरेक्टर मार्केट प्लेस कपिल थिरानी ने कहा, ''फ्लिपकार्ट में हम एक ऐसा मार्केट प्लेस बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां हर आकार एवं अनुभव वाले सेलर को आत्मविश्वास के साथ विकास करने में मदद मिले। उन्?होंने कहा कि पारदर्शिता को बढ़ाते हुए और सेलिंग एक्सपीरियंस को सरल करते हुए हम ऐसा वातावरण बना रहे हैं, जहां देशभर में उद्यमशीलता का विकास हो सके।

पीएलआई योजना में 1.76 लाख करोड़ रुपए का निवेश, मार्च 2025 तक 12 लाख से अधिक रोजगार हुए पैदा

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पीएलआई योजना 14 प्रमुख क्षेत्रों में कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में है। उन्होंने जानकारी दी कि इस योजना में 1.76 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ है, जिससे मार्च 2025 तक 16.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का उत्पादन/बिक्री और 12 लाख से अधिक (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) रोजगार सृजित हुए हैं। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि भारत को उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जिनमें भारत को अन्य देशों के मुकाबले प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल है और विभिन्न हितधारकों के सामने आने वाली समस्याओं का समाधान करना चाहिए ताकि देश का निर्यात बढ़ सके। केंद्रीय मंत्री ने यह विचार उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना की समीक्षा बैठक के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि यह योजना विनिर्माण क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा

में बेहतरीन पहलों में से एक है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, पीएलआई योजनाओं के अंतर्गत 12 क्षेत्रों में लार्ज-स्केल इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग (एलएसईएम), आईटी हार्डवेयर, बल्क ड्रग्स, मेडिकल डिवाइस, फार्मास्यूटिकल्स, टेलीकॉम एंड नेटवर्किंग प्रोडक्ट्स, फूड प्रोसेसिंग, व्हाइट गुड्स, ऑटोमोबाइल एंड ऑटो कंपोनेंट्स, विशेष इस्पात, कपड़ा और ड्रोन एंड ड्रोन कंपोनेंट्स के लिए 21,534 करोड़ रुपए की संचयी प्रोत्साहन राशि वितरित की गई है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने पीएलआई योजना के अंतर्गत आने वाले प्रमुख क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मंत्रालयों को मात्रा पर ध्यान देने के बजाय गुणवत्तापूर्ण कुशल जनशक्ति बनाने पर ध्यान देना चाहिए और एनआईसीडीसी के साथ मिलकर इंफ्रास्ट्रक्चर की बाधाओं को दूर करना चाहिए। मंत्रालय के अनुसार, भारत में विभिन्न क्षेत्रों में पीएलआई योजनाओं का प्रभाव महत्वपूर्ण रहा है। इन योजनाओं ने घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित किया है, जिससे उत्पादन में वृद्धि हुई है, रोजगार सृजन हुआ है और निर्यात को बढ़ावा मिला है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए फार्मास्यूटिकल्स ड्रग्स में योजना के तहत पात्र उत्पादों की निर्यात बिक्री 0.67 लाख करोड़ रुपए थी, जो इसी अवधि के दौरान देश के कुल फार्मा निर्यात का लगभग 27 प्रतिशत है।

इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज का आईपीओ पहले दिन 40 फीसदी हुआ सब्सक्राइब

एजेंसी

नई दिल्ली। फसल सुरक्षा उत्पाद बनाने वाली कंपनी इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बोली के पहले दिन 40 फीसदी सब्सक्राइब किया गया। इसमें 30 जून, 2025 तक निवेश किया जा सकता है। स्टॉक एक्सचेंजों पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक इस इश्?यू को 105-111 रुपये के प्राइस बैंड पर 1.33 करोड़ शेयरों के मुकाबले 53.77 लाख शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुई है, जो सभी श्रेणियों में निवेशकों की मध्यम रुचि को दर्शाता है। रिटेल पोर्शन और गैर-संस्थागत निवेशकों के पोर्शन को क्रमशः 69 फीसदी और 27 फीसदी सब्सक्राइब किया गया है, जबकि योग्य संस्थागत खरीदार पोर्शन और कर्मचारी पोर्शन को 5 फीसदी सब्सक्राइब किया गया। इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज का साइज 200 करोड़ रुपये है। इश्यू खुलने से एक दिन पहले, इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज लिमिटेड ने एंकर निवेशकों से 58.20 करोड़ रुपये जुटाए हैं। 30 जून तक चलने वाले आईपीओ में खुदरा निवेशकों की विशेष रुचि देखी गई है। एक निवेशक न्यूनतम 135 इक्विटी शेयरों और उसके गुणकों में बोली लगा सकता है। उल्लेखनीय है कि फसल सुरक्षा उत्पाद बनाने वाली कंपनी इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज लिमिटेड ने 1993 में अपना परिचालन शुरू किया। यह मुख्य रूप से तीन व्यावसायिक कार्यक्षेत्रों के तहत काम करता है। इसमें फसल सुरक्षा, पौधों के पोषक तत्व और जैविक, खुदरा और संस्थागत ग्राहकों को फसल की उपज में सुधार करने पर केंद्रित है। यह भारत में पौधों के पोषक तत्वों और जैविक के विनिर्माण के व्यवसाय में लगा हुआ है।

एनएमडीसी ने छत्तीसगढ़ में आदिवासी युवाओं के लिए पूर्ण प्रायोजित शिक्षा कार्यक्रमों को लेकर आवेदन आमंत्रित किए

एजेंसी

नई दिल्ली।एनएमडीसी ने छत्तीसगढ़ में आदिवासी युवाओं के लिए पूर्ण प्रायोजित शिक्षा कार्यक्रमों को लेकर आवेदन आमंत्रित किए हैं। इसका उद्देश्य आदिवासी युवाओं के लिए अवसरों की कमी को पूरा करना है। इस्पात मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि देश के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी लिमिटेड ने अपनी प्रमुख सीएसआर पहल बालिका शिक्षा योजना के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। एनएमडीसी ने इसके लिए अपोलो विश्वविद्यालय, चित्तूर के साथ एक साझेदारी की है, जो एक परिवर्तनकारी चिकित्सा प्रौद्योगिकी कार्यक्रम का शुभारंभ है, जिसका उद्देश्य आदिवासी युवाओं के लिए अवसर प्रदान करने के बीच की खाई को पाटना है।इस प्रमुख पहल के तहत एनएमडीसी बस्तर, दंतेवाड़ा,

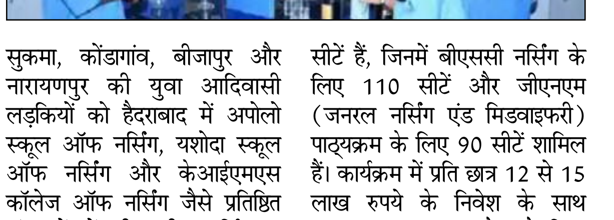

सुकमा, कोंडागांव, बीजापुर और नारायणपुर की युवा आदिवासी लड़कियों को हैदराबाद में अपोलो स्कूल ऑफ नर्सिंग, यशोदा स्कूल ऑफ नर्सिंग और केआईएमएस कॉलेज ऑफ नर्सिंग जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में बीएससी (नर्सिंग 4 वर्ष) और जीएनएम (3 वर्ष) पाठ्यक्रम करने के लिए 100 फीसदी मुफ्त नर्सिंग शिक्षा प्रदान कर रहा है। इस पाठ्यक्रम में कुल 200 सीटें हैं, जिनमें बीएससी नर्सिंग के लिए 110 सीटें और जीएनएम (जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी) पाठ्यक्रम के लिए 90 सीटें शामिल हैं। कार्यक्रम में प्रति छात्र 12 से 15 लाख रुपये के निवेश के साथ ट्यूशन, छात्रावास और शैक्षणिक लागत सहित सभी शैक्षिक खर्च शामिल होंगे। आवेदक की पारिवारिक आय प्रति वर्ष 72,000 रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदन विंडो 28 जून 2025 को बंद हो जाएगी। इसका उद्देश्य आदिवासी युवाओं के लिए अवसरों की कमी को पूरा करना है। एनएमडीसी दंतेवाड़ा और बस्तर जिलों के पात्र अनुसूचित जनजाति (एसटी) छात्रों के लिए अपोलो विश्वविद्यालय, चित्तूर के साथ साझेदारी में पूर्णतः प्रायोजित संबद्ध स्वास्थ्य देखभाल शिक्षा प्रदान कर रहा है। इसमें प्रति छात्र लगभग 12 से 15 लाख रुपये के निवेश के साथ पूरी तरह से प्रायोजित इस पहल का उद्देश्य आदिवासी युवाओं को आजीविका के लिए पेशेवर कौशल से युक्त करना है।

डीपीआईआईटी ने पांच राज्यों में 11 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को प्रभावित करने वाले मुद्दों की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली।उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने पांच राज्यों झारखंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम और नगालैंड में 11 प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को प्रभावित करने वाले 18 मुद्दों की समीक्षा की है।

वाणिज्य एवं उद्योग विभाग ने जारी बयान में बताया कि डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप भाटिया की अध्यक्षता में 24 जून को हुई बैठक में केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और परियोजना प्रस्तावकों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस समीक्षा बैठक में झारखंड राज्य में 11 महत्वपूर्ण परियोजनाओं के 18 मुद्दों की समीक्षा की गई, जिसमें सभी परियोजनाओं की कुल लागत 34,213 करोड़ रुपये से अधिक है।मंत्रालय के मुताबिक बैठक में सिक्किम राज्य में 02 परियोजनाओं के 02 मुद्दों की समीक्षा की गई, जिसमें कुल 943.04 करोड़ रुपये की लागत है। नागालैंड राज्य में 02 परियोजनाओं के 03 मुद्दों की समीक्षा की गई, जिसमें कुल 544.65 करोड़ रुपये की लागत है। वहीं, असम राज्य में 01 मुद्दे और 01 परियोजना की समीक्षा की गई, जिसमें कुल 6,700 करोड़ रुपये की लागत है। इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश राज्य में 01 निजी परियोजना सहित 03 परियोजनाओं के 07 मुद्दों की समीक्षा की गई, जिसमें कुल 33,469 करोड़ रुपये की लागत है। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक झारखंड राज्य से संबंधित पतरातू थर्मल पावर स्टेशन विस्तार परियोजना के पहले चरण की व्यापक समीक्षा की गई। इसमें कहा गया कि अरुणाचल प्रदेश में जियोएनप्रो पेट्रोलियम लिमिटेड की 1,000 करोड़ रुपये की लागत वाली निजी क्षेत्र की परियोजना से जुड़े मुद्दों की भी समीक्षा की गई। डीपीआईआईटी सचिव ने राज्य सरकार को मामले को उच्च प्राथमिकता देने तथा परियोजना से संबंधित मुद्दों का समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए जियोएनप्रो को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने की सलाह दी है। इसके अलावा बैठक में परियोजना निगरानी समूह (पीएमजी) द्वारा सुगमतापूर्वक केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य प्राधिकरणों और परियोजना समर्थकों के बीच घनिष्ठ सहयोग के जरिए महत्वपूर्ण मुद्दों को हल करने और परियोजना कार्यान्वयन में तेजी लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन गिरावट का रुख बना हुआ है। सोने के भाव में आज 240 रुपये से लेकर 260 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट आ गई। इसी तरह चांदी भी आज 900 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में कमजोरी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,950 रुपये से लेकर 99,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,700 रुपये से लेकर 90,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह ही चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,08,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 99,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,950 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स में 1,000 अंक की तेजी

नई दिल्ली। जियो-पॉलिटिकल टेंशन कम होने और मजबूत ग्लोबल संकेतों के कारण घरेलू शेयर बाजार आज लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही शुरुआती मिनट में बिकवाली का मामूली दबाव भी बना, लेकिन इसके बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया। सुबह 10 बजे के बाद बिकवालों ने एक बार फिर दबाव बनाने की कोशिश की लेकिन दोपहर 1 बजे के बाद चौतरफा खरीदारी शुरू हो गई। इस खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार लगभग सवा प्रतिशत उछल गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 1.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज दिनभर के कारोबार के दौरान एनर्जी, बैंकिंग और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में जम कर लिवाली होती रही। इसके अलावा मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थ केयर और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, आईटी सेक्टर में आज बिकवाली का दबाव बना हुआ नजर आया। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.12 की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 457.45 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 454.01 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.44 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,153 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,097 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,900 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 156 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,600 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,337 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान और 1,263 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 21 शेयर बढ़त के साथ और 9 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 42 शेयर हरे निशान में और 8 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 127.41 अंक की मजबूती के साथ 82,882.92 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही शुरुआती मिनट में बिकवाली का मामूली दबाव बनने के कारण ये सूचकांक 82,816.26 अंक तक गिरा। इसके बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया, जिससे सुबह 10 बजे तक ये सूचकांक 83,304.55 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। इस स्तर तक पहुंचने के बाद सेंसेक्स को एक बार फिर बिकवाली के दबाव का सामना करना पड़ा, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट भी आई। दोपहर 1 बजे के बाद खरीदारों ने एक बार फिर आक्रामक अंदाज में लिवाली शुरू कर दी, जिससे ये सूचकांक 1,056.58 अंक उछल कर 83,812.09 अंक के स्तर तक आ गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई मामूली बिकवाली के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 56.22 अंक फिसल कर 1,000.36 अंक की मजबूती के साथ 83,755.87 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

डिवोर्स रूमर्स के बीच

ऐश्वर्या शर्मा

का बयान, बोलीं-शोर नहीं गरिमा को चुना...

'गुम है किसी के प्यार में फेम कपल नील भट्ट और ऐश्वर्या शर्मा पिछले काफी समय अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियो में बने हैं। लंबे समय से खबरें आ रही हैं कि नील और ऐश्वर्य की शादीशुदा जिंदगी में दिक्कतें आ गई हैं। कहा जा रहा है कि दोनों अलग होने जा रहे हैं और काफी समय से दोनों ने साथ में कोई पोस्ट भी शेयर नहीं की है। ऐसे में लोग दावा कर रहे हैं कि दोनों अलग-अलग रह रहे हैं। इस बीच अब एक्ट्रेस ऐश्वर्या ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी कर दिया है। उनका कहना है कि उनके नाम का इस्तेमाल झूठी और गलत खबरों को फैलाने के लिए न करें।

ऐश्वर्या शर्मा ने 26 जून को इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है उसमें उन्होंने लिखा-मैं लंबे समय से चुप हूं। इसलिए नहीं कि मैं कमजोर हूं, बल्कि इसलिए कि मैं अपनी शांति को बचा रही हूं। लेकिन जिस तरह से आप में से कुछ लोग ऐसी बातें लिखते रहते हैं जो मैंने कभी नहीं कही, ऐसी कहानियां गढ़ते हैं जिनका मैंने कभी सपोर्ट नहीं किया, और बिना सबूतों या जवाबदेही के अपने प्रमोशन के लिए मेरे नाम का यूज करते हैं, वो बेहद दर्दनाक है। मैं साफ कर दूं-मैंने कोई इंटरव्यू, बयान या रिकॉर्डिंग नहीं दी है।

नील भट्ट और उनके डिवोर्स रूमर्स काफी टाइम से फैल रहे हैं और इन पर बोलते हुए ऐश्वर्या ने आगे लिखा-आपके पास कोई वास्तविक सबूत है, तो कोई मैसेज, ऑडियो या वीडियो जिसमें मैंने ये बातें कही हों, उसे दिखाएं। अगर नहीं, तो मेरे नाम पर खबरें फैलाना बंद करें। मेरी लाइफ आपका कंटेंट नहीं है। मेरी चुप्पी को आपकी परमिशन की जरूरत नहीं है। प्लीज याद रखें सिर्फ इसलिए कि कोई चुप है इसका मतलब यह नहीं है कि उसके पास कहने के लिए कुछ नहीं है। इसका मतलब है कि वो शोर के बजाए गरिमा को चुन रहा है।

नील और ऐश्वर्या की गुम है किसी के प्यार में के दौरान पहली मुलाकात हुई थी, इसी शो से इन दोनों की दोस्ती हुई थी, जो बाद में प्यार बदल गई। शो में देवर-भाभी का रोल निभाने वाले नील और ऐश्वर्या ने एक साल बाद ही शादी कर ली थी।

उसके बाद दोनों सम्राट जोड़ीऔर बिग बॉस 17 में नजर आए। बिग बॉस 17 में ऐश्वर्या को कई बार नील पर गुस्सा करते और उन पर भड़कते देखा गया था लेकिन हर बार नील उनको प्यार से मना लेते थे। जब से दोनों शो से बाहर आए हैं तभी से इनके डिवोर्स रूमर्स अक्सर ही गॉसिप गलियारों में देखने को मिलते हैं।

51 की उम्र में मिनी स्कर्ट पहन

उर्मिला मातोंडकर

ने दिखाया ग्लैमर, हो गई ट्रोल, लोग बोले- आर्टिफिशियल है सब

फिल्मी सितारे अपनी फिटनेस को लेकर काफी सीरियस रहते हैं. कोई घंटों जिम में बिताते हैं, तो कुछ स्पेशल डाइट फॉलो करते हैं. सिर्फ आज की यंग एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि 90 के दशक की एक्ट्रेस भी इस मामले में कम नहीं हैं. तब फिल्मों से और अब फिटनेस से कड़ी टक्कर दे रही हैं. इसी बीच 'रंगीला गर्ल' rmila Matondkar लाइमलाइट में आ गई हैं. वजह है उनका लेटेस्ट लुक. 51 साल की एक्ट्रेस को ग्लैमर दिखाना इतना महंगा पड़ गया कि जमकर ट्रोल होने लगी हैं. लोगों ने उनके बदले हुए चेहरे को देखकर भर-भरकर कमेंट्स किए हैं.

दरअसल उर्मिला मातोंडकर 51 साल की उम्र में भी काफी फिट हैं. तो वो अपना फिट फिगर फ्लॉन्ट करने का कोई मौका नहीं छोड़तीं. एक्ट्रेस फिल्मों से बेशक दूर हों पर लोगों के दिल के अब भी करीब हैं. उर्मिला की आखिरी हिंदी फिल्म 'ईएमआई' थी, जो साल 2008 में रिलीज हुई थी. पर उसके बाद वेब सीरीज और मराठी सिनेमा में काम करती दिख चुकी हैं. लेकिन अब नए लुक में उन्हें ट्रोल क्यों किया जा रहा है?

51 साल की उर्मिला मातोंडर क्यों हुई ट्रोल ?

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर ने एक दिन पहले इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की थीं. पिंक मिनी स्कर्ट और ब्लेजर स्टाइल टॉप में एक्ट्रेस काफी स्टाइलिश और ग्लैमरस लग रही थीं. खुले बाल और मिनिमल मेकअप के साथ उन्होंने अपना लुक कंप्लीट किया था. अपना फिट फिगर फ्लॉन्ट कर रहीं एक्ट्रेस की जहां कुछ लोगों ने तारीफ की. तो कुछ ऐसे भी हैं, जिन्होंने जमकर ट्रोल कर दिया. एक यूजर लिखती हैं कि- इन्होंने अपने मुंह पर क्या करवा लिया. तो दूसरा कहता है- या तो यह 10 जीबी एआई का काम है, या फिर 10 KG ozempic का. एक और ब्यूटी आर्टिफिशियल शो ऑफ में खो गईझ्रदरअसल एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. उनके इंस्टाग्राम पर 1 मिलियन फॉलोअर्स हैं. पॉलिटिशियन, एक्ट्रेस और सोशल एक्टिविस्ट उर्मिला मातोंडकर अपने पल-पल की अपडेट फैन्स के साथ शेयर करती हैं. एक्ट्रेस अक्सर एक से बढ़कर एक ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती रहती हैं. साथ ही फिटनेस को लेकर काफी फोक्स्ड हैं. 51 की उम्र में ऐसी फिटनेस देखकर लोग भी तारीफ करते हैं.

कब हुई थी करियर की शुरुआत

उर्मिला मातोंडकर ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट करियर की शुरुआत की थी. उनकी फिल्म 1977 में आई थी, जिसका नाम था- 'कर्म'. 1983 में आई फिल्म 'मासूम' के बाद एक्ट्रेस को पहचान हासिल हुई थी. हालांकि, बतौर लीड एक्ट्रेस उन्होंने करियर की शुरुआत 'नरसिम्हा' से की थी.

'जेहरे मुल्क दा खाईए, उस दा बुरा नहीं...' 'सरदार जी 3' पर फंसे दिलजीत को गुरु रंधावा की खरी-खरी

पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ की आने वाली फिल्म 'सरदार जी 3' रिलीज से पहले ही काफी विवादों में घिर गई है. फिल्म का टीजर बाहर आया, जिसके बाद बवाल मचा हुआ है. फिल्म में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर भी अहम किरदार में हैं, ऐसे में फिल्म को लेकर काफी विवाद हो रहा है. फिल्म को लेकर दिलजीत को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है. फिल्म को भारत में बैन कर दिया गया है. वहीं फैंस दिलजीत को गद्दार कह रहे हैं और उन्हें बायकॉट करने की मांग कर रहे हैं.सरदार जी 3 को लेकर चल रहे विवाद के बीच इंडस्ट्री में भी अलग-अलग लोगों के बयान सामने आ रहे हैं. पहले मीका सिंह ने बिना दिलजीत का नाम लिए एक क्रिप्टिक पोस्ट किया था, वहीं अब सिंगर और एक्टर गुरु रंधावा ने भी एक क्रिप्टिक पोस्ट किया है, जिसने सभी फैंस को चौंका दिया है.

गुरु रंधावा ने क्या लिखा ?

गुरु रंधावा के पोस्ट को देखकर इस बात के कयास लगाए जा रहे हैं कि उन्होंने दिलजीत दोसांझ पर ही कटाक्ष किया है. गुरु ने अपने पोस्ट में लिखा- लाख परदेसी होईए, अपना देश नहीं बदला दा, जेहरे मुल्क दा खाईए, उस दा बुरा नहीं मांगी दाज्अगर अब आपकी नागरिकता भारतीय नहीं है तो इसका मतलब ये नहीं कि ये बात भूल जाएं कि आप इस मुल्क में जन्में थे. इस देश ने कई बड़े आर्टिस्ट बनाए और हम सबको इस बात का फक्र है. आपको भी फक्र होना चाहिए कि आप यहां पैदा हुए थे. ये बस एक सलाह है. प्लीज फिर से कोई कंट्रोवर्सी शुरू ना करिएगा और भारतीयों को फिर से बहलाइएगा मत. पीआर बिगर देन आर्टिस्ट.

पाकिस्तानी कलाकारों पर लगा बैन

आपको बता दें कि 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और फिर भारत-पाक तनाव के बीच पाकिस्तानी कलाकारों को भारत में काम करने से बैन कर दिया गया था. पाकिस्तानी सिनेमा और वहां के कलाकारों को देश में हुए विरोध के बाद पूरी तरह से बैन कर दिया गया था.

हालांकि, सरदार जी 3 की टीम की तरफ से कहा गया है कि फिल्म दोनों मुल्कों के बीच हुए तनाव के पहले शूट की गई थी. हानिया पाकिस्तान की बड़ी स्टार हैं, ऐसे में फिल्म का विरोध किया जा रहा है.

आमिर खान की सितारे जमीन पर की आंधी में बह गई सनी देओल की जाट, 6 दिन में इतना रहा वर्ल्डवाइड कलेक्शन

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर सिनेमाघरों में रिलीज के बाद से ही धमाल मचा रही है. फिल्म को काफी पसंद किया जा रहा है. 18 साल बाद आए तारे जमीन पर के सीक्वल को लेकर बज़ बना हुआ था और फिल्म के ट्रेलर ने फैंस का ध्यान आकर्षित किया था. अब बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के आंकड़े बता रहे हैं कि इस फिल्म को देखने के लिए फैंस सिनेमाघरों में जाना पसंद कर रहे हैं. यहां तक कि फिल्म ने सनी देओल की जाट को भी पीछे छोड़ दिया है. आइये जानते हैं कि 6 दिनों में सितारे जमीन पर ने दुनियाभर में कितनी कमाई की.

भारत में सितारे जमीन पर ने कितने कमाए ?

सैकनिल्क की रिपोर्ट्स की मानें तो आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर ने 6 दिनों में 98.60 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है. फिल्म ने ओपनिंग डे पर 10.7 करोड़ कमाए थे. इसके बाद वीकेंड में फिल्म ने 2 दिनों में करीब 50 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया. फिलहाल वीकडेज में भी ये फिल्म ठीकठाक कलेक्शन करने में सफल रही है. भारत में हिंदी बेल्ट में सितारे जमीन पर का कलेक्शन तो अच्छा जा रहा है वहीं फिल्म को साउथ में उम्मीद के मुताबिक रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है.

दुनियाभर में सितारे जमीन पर ने इतने कमा लिए

सितारे जमीन पर के ओवरसीज कलेक्शन की बात करें तो इस फिल्म ने 33.40 करोड़ रुपए कमा लिए हैं. मतलब कि फिल्म को विदेशों में भी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. कुल मिलाकर 6 दिन में दुनियाभर में आमिर की फिल्म ने 132 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है. फिल्म का बजट रिपोर्ट्स के मुताबिक 90 करोड़ रुपए के करीब है. मतलब कि फिल्म ने अपना बजट निकाल लिया है और अब फिल्म मुनाफा कमा रही है.

सनी देओल की जाट को आमिर खान की सितारे जमीन पर ने छोड़ा पीछे

आमिर खान की फिल्म कमाई के साथ ही अब कई रिकॉर्ड्स भी बना रही है. फिल्म ने साल 2025 में ही आई सनी देओल की जाट को धूल चटा दी है. सैकनिल्क की रिपोर्ट्स के मुताबिक जाट फिल्म ने भारत में 88 करोड़ कमाए थे और फिल्म का वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 118.36 करोड़ रुपए का रहा था. मतलब की अब आमिर की फिल्म ने सनी देओल की जाट को पीछे छोड़ दिया है. अब देखने वाली बात होगी कि ये फिल्म आने वाले समय में और कौन सी मूवीज का काम तमाम करती है.

बिरसा टाइम्स देश का सर्वाधिक प्रसारित रविवारीय अखबार है। अपनी खोजपूर्ण तथा विश्लेषणात्मक खबरों के कारण बिरसा टाइम्स ने मीडिया– जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई हैं। वर्ष 1980 से शुरू हुआ बिरसा टाइम्स का सफरनामा इसके पाठकों के निरंतर स्नेह और समर्थन के चलते आज भी उसी तेवर के साथ जारी हैं।

राँची और दिल्ली के साथ–साथ
अब
बिहार, छत्तीसगढ़ तथा उड़ीसा
से
प्रकाशित होने जा रहा है।

बिरसा टाइम्स

देश का सर्वाधिक प्रसारित नंबर-1 रविवारीय अखबार

जन सम्पर्क विभाग में विशाल भ्रष्टाचार का वट वृक्ष

"जब झारखंड और बिहार एक साथ था तब पांडे अपने पिता के साथ पटना में महावीर मंदिर में साफ–सफाई का काम करता था और पांडे जी के पिता मंदिर के सचिव आईपीएस स्वर्गीय आचार्य किशोर कुणाल जी के घर पर पूजा पाठ करते थे एवं महावीर मंदिर में भी काम करते थे और उसी समय अवधेश पांडे बिहार सरकार में दैनिक मजदूर में बहाली लेकर धीरे–धीरे आई इ एस पदाधिकारी के घर पर कप–प्लेट साफ कर प्रभारी निदेशक तक पहुंच गए ! श्री पांडे को हिंदी और अंग्रेजी में एक लाइन भी लिखने नहीं आता था ! इनका सारा का सारा फाइल का काम के नीचे वाले अधिकारी लिखते थे और इस काम में उप निदेशक श्री शालिनी वर्मा और वर्तमान में बोकारो के उपायुक्त श्रीअजय नाथ झा सारा फाइल का काम करते थे ! दोनों के दोनों से पांडे के कार्यालय से लेकर आवास तक 11:00 बजे रात तक गुरु मंत्र लेते रहते थे और इसमें अपनी कुशलता से श्री झा ने उपायुक्त पद पर पहुंच गए ! ऐसे पांडे कभी भी अपनी पत्नी को अपने आवास में नहीं रखते थे और पांडे के समय में सिर्फ सिर्फ उसके पिता ही रहते थे और श्री पांडे के समय में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का पेड़–पौधा लगन ! शुरू हुआ और अब वर्तमान में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का बड़ा बरगद का पेड़ हो चुका है।

बिरसा टाइम्स देश का विश्वास पत्रकारिता के उन मूल्यों में हैं जो आम आदमी की चिंताओं और सरोकारों को आवाज देते हैं। इसीलिए बिरसा टाइम्स लोगो के बीच इस लम्बी यात्रा में भी अपनी विश्वसनीयता बरकरार रखने में कामयाब रहा है। अपने खास कंटेंट, गंभीर राजनैतिक विश्लेषण, अलग अंदाज और सुन्दर छपाई के चलते बिरसा टाइम्स को सम्मान–जनक स्थान मिला हैं। शायद इसीलिए बिरसा टाइम्स के पाठक वे युवा और संवेदनशील लोग हैं जो न केवल देश के बारे में सोचते हैं बल्कि देश के लिए कुछ करने का जज्बा भी रखते हैं।

सत्य और निष्पक्ष समाचारों के लिए पढ़ें !

सम्पर्क सूत्र :–

aadivasiexpress@gmail.com
birsatimes@gmail.com
8084674042
6202611859
8084674042